वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 297 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 अप्रैल 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
41 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कश्मीर से लेकर दिल्ली तक सरगर्मी तेज, कई ऑपरेशन चल रहे एक साथ

आतंकी का घर ब्लास्ट से उड़ाया, दूसरे का बुल्डोजर से ढहाया, आर्मी चीफ घाटी पहुंचे

श्रीनगर/ नई दिल्ली, एजेंसी।
कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से घटनाक्रम बहुत तेजी से घूम रहा है। आज सुबह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के घर ब्लास्ट में उड़ गए। सेना सूत्रों ने बताया कि त्राल में आसिफ शेख और अनंतनाग के बिजबेहरा में आदिल ठोकेर के घर सर्च ऑपरेशन चल रहा था, तभी ऑपरेशन के दौरान ठोकेर के घर में एक्सप्लोसिव मिले। जवान सेफ्टी के लिए पीछे हटे और घर को धमाके से उड़ा दिया गया। दूसरी तरफ आसिफ शेख के घर को त्राल में प्रशासन ने बुल्डोजर से ध्वस्त कर दिया। इन दोनों आतंकवादियों का नाम पहलगाम हमले से जुड़ा है। उधर, पाकिस्तानी सेना ने भी आज सुबह लाइन ऑफ कंट्रोल के कई इलाकों में फायरिंग की। भारतीय सेना ने भी तुरंत इसका जवाब दिया। इधर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज पहलगाम की बैसरन घाटी पहुंच रहे हैं वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पहलगाम आतंकी हमले के घायलों से मिलने अनंतनाग के अस्पताल पहुंचेंगे। दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह के घर आज सिंधु जल संधि को लेकर बैठक होगी। ज्ञात हो कि भारत ने गुरुवार को 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 27 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हैं। माना जा रहा है कि आतंकवादी काफी पहले ही घुसपैठ करके जम्मू-कश्मीर में आ गए थे और उनकी योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल की कटरा यात्रा के दौरान भी हमला करने की थी, इस रैली को बाद में किसी कारण से रद्द कर दिया गया था। सूत्रों ने इस बात से भी इनकार किया कि यह हमला किसी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के समूह को निशाना बनाने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि इंटेलिजेंस ब्यूरो का एक कर्मचारी (बिहार निवासी मनीष रंजन, जो हैदराबाद में तैनात थे) परिवार के साथ छुट्टी मनाने आया था और मारे गए लोगों में वह भी शामिल था।

चौथा एनकाउंटर, मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

■ उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। इसमें दो आतंकी मारे गए है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पिछले 2 दिन में यह चौथा एनकाउंटर है। इसमें 2 जवान घायल बताए जा रहे हैं। मुठभेड़ कुलनार इलाके में हुई है, जहां आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया था। जैसे ही जवान इलाके में पहुंचे, आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

पर्यटकों की मदद के लिए रेल्वे ने विशेष ट्रेन चलाई

■ भारतीय रेलवे ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना के मद्देनजर फंसे हुए यात्रियों की मदद करने और यात्रा की बढ़ती मांग के चलते एक स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की है। ताकि डरे सहमे हुए पर्यटक सुरक्षित और समय पर अपने घर लौट सकें। पर्यटकों पर हमले के बाद अब अन्य वहां फंसे पर्यटक वापस घर लौटना चाह रहे हैं, ऐसे में भारतीय रेलवे की स्पेशल ट्रेन उनकी काफी मदद कर रहा है। यह ट्रेन श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन से रात 9:20 बजे रवाना होगी। यह अगले दिन सुबह 9:30 बजे नई दिल्ली पहुंचने से पहले उधमपुर और जम्मू तवी स्टेशनों पर रुकेगी। इसी के साथ कटरा से नई दिल्ली रूट पर उत्तर रेलवे की नई स्पेशल ट्रेन 04614 है, वह भी चलाई गई है। ये ट्रेन 11:50 घंटे में 655 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

पाकिस्तान का कुबुलूनामा... हम यह डर्टी काम 30 साल से कर रहे

■ पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 'इकबालिया बयान' दिया है। ब्रिटेन के स्काई न्यूज से बातचीत में ख्वाजा आसिफ ने माना है कि पाकिस्तान का आतंकवाद को सपोर्ट करने और टेरर फंडिंग करने का लंबा इतिहास है, हम लोग 30 साल से इस गंदे काम को अमेरिका के लिए करते आ रहे हैं। भारत के साथ ऑलआउट वार की बात करने वाले आसिफ ने कहा कि लश्कर ए तैयबा के अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं लेकिन अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं। जब ख्वाजा आसिफ से पूछा गया है कि लश्कर से निकले एक दहशतगर्दी संगठन ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली है तो उन्होंने कहा कि जब मूल संगठन ही नहीं रहा तो ऑफशूट संगठन कहां से आता है। जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाक का इन आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण और वित्तपोषण देने का एक लंबा इतिहास रहा है? तो आसिफ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकवादियों को समर्थन देता रहा है हम तीन दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं, ब्रिटेन के लिए भी, ये हमारी गलती थी और इससे हमें नुकसान हुआ।

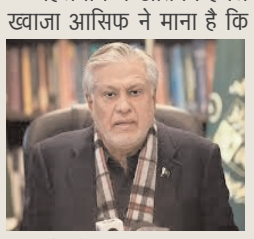

सिक्किम में लैंडस्लाइड, पर्यटक फंसे, मप्र में तीन दिन बादल, पानी-लू

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में अभी दो तरह के मौसम चल रहा है। अधिकतर राज्यों में जहां भीषण गर्मी है, तो पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश हो रही है। सिक्किम में लगातार हो रही बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुआ है। इसके कारण करीब 1,000 से ज्यादा पर्यटक फंस गए हैं। गंगटोक से करीब 100 किलोमीटर दूर लाचेनचुंगथांग रोड पर मुंशीथांग और लेमा/बॉब में पर्यटकों की करीब 200 गाड़ियां फंसी हुई हैं। उनमें सवार पर्यटक एक गुरुद्वारे में ठहरे हुए हैं। लाचुंग और लाचेन तक पहुंचने वाले रास्ते बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे पर्यटकों का निकला मुश्किल हो गया है।

लाचुंग और लाचेन हिल स्टेशन हैं, जो गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी सहित अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई है। सिक्किम में अगली सूचना तक पर्यटकों के आने पर रोक लगा दी गई है। दूसरी तरफ, मौसम विभाग ने आज 25 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में ऑरेंज अलर्ट है। भीषण गर्मी के चलते झारखंड सरकार ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है।

मप्र में तीन दिन बारिश : मध्यप्रदेश में कल 26 अप्रैल से बारिश का दौर शुरू होगा, जो 3 दिन तक चल सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और ट्रफ की वजह से मौसम बदलेगा। हालांकि, प्रदेश के बड़े हिस्से में तेज गर्मी रहेगी और लू भी चलेगी। कल छतरपुर जिले के खजुराहो और नौगांव सबसे ज्यादा गर्म रहे। मौसम विभाग ने आज शुक्रवार को प्रदेश के 13 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने राष्ट्रपति वेटिकन सिटी जाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू कैथोलिक ईसाई समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आज वेटिकन सिटी जाएंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार परम पावन पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में भाग लेने और भारत सरकार और लोगों की ओर से संवेदना व्यक्त करने के लिए राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू 25-26 अप्रैल को वेटिकन सिटी का दौरा करेंगी। भारत ने पोप फ्रांसिस के निधन पर तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। राष्ट्रपति आज वेटिकन सिटी में सेंट पीटर के बेसिलिका में पुष्पांजलि अर्पित करके परम पावन पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी और शनिवार 26 अप्रैल को, राष्ट्रपति वेटिकन सिटी के सेंट पीटर स्क्वायर में परम पावन पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेंगी, जिसमें दुनिया भर के गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे।

बाजार ने बढ़त बनाई फिर सेंसेक्स 1100 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज सकारात्मक रुख के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 329.23 अंक चढ़कर 80,130.66 अंक पर भी जा पहुंचा, जबकि निफ्टी 118.75 अंक बढ़कर 24,365.45 अंक पर पहुंचा। लेकिन धीरे-धीरे बाजार ने अपनी बढ़त गंवा दी और लाल निशान पर पहुंच गया। फिलहाल सेंसेक्स करीब 1100 अंक और निफ्टी 400 अंक गिरकर कारोबार कर रहा है। विदेशी फंडों के निरंतर प्रवाह और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल आया। हालांकि, दोनों बढ़त को ज्यादातर नहीं संभाल पाए। बाद में एक्सिस बैंक के कारण इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स की कंपनियों में से एक्सिस बैंक में 3.50 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि देश के तीसरे सबसे बड़े निजी क्षेत्र के ऋणदाता ने मार्च तिमाही में मामूली गिरावट दर्ज करते हुए 7,117 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 7,130 करोड़ रुपये था।

क्रिकेट मुकाबलों में पाक संग नहीं खेलेगा भारत, एशिया कप होल्ड!

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमलों के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड एक्शन मोड में है। बताया जा रहा है कि बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को पत्र लिखा है तथा कहा है कि वो पाकिस्तान संग मैच नहीं खेलना चाहता है। भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में एक-दूसरे का सामना किया था, जहां रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया था। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय बोर्ड ने अनुरोध किया है कि भारत और पाकिस्तान को भविष्य में आईसीसी के ग्लोबल लेवल के इवेंट में एक ही ग्रुप में न रखा जाए। कुल मिलाकर बोर्ड अब कम से कम आईसीसी इवेंट के ग्रुप चरणों में भारत-पाकिस्तान के बीच आमना-सामना नहीं चाहता है। हालांकि, दोनों टीमें आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप में भाग लेती नजर आएंगी, जहां पाकिस्तान ने आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया था। आईसीसी, पीसीबी और बीसीसीआई के बीच एक पुराने समझौते के अनुसार, पाकिस्तान भारत में अपना कोई भी मैच नहीं खेलेगा। महिला वर्ल्ड कप इस साल भारत में होना 26 सितंबर से 2 नवंबर के बीच होना है।

पहलगाम आतंकी हमले का विरोध जारी, कल भोपाल बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पहलगाम में आतंकवादी हमले के विरोध में देश भर में विरोध-प्रदर्शन के बीच मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी कल बाजार बंद करने का आह्वान किया गया है। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कल शनिवार को राजधानी भोपाल के बाजार बंद करने का आह्वान किया है। संगठन ने सभी व्यापारी संगठनों और व्यापारियों को 26 अप्रैल को अपने-अपने प्रतिष्ठानों को बंद करने की अपील की है। इसी बीच विरोध के क्रम में कल रात मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में जिला भाजपा द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया। इसके तहत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्थानीय न्यू मार्केट के नानके पेट्रोल पंप से रोशनपुरा चौराहे तक पैदल मार्च किया। श्री शर्मा ने रोशनपुरा चौराहे पर पहुंचकर आतंकवादी घटना का विरोध जताया और दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री शर्मा ने मशाल जुलूस के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर अंतिम कील ठोंकने का कार्य होगा। पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर आतंकवादियों द्वारा किया गया कायराना हमला भारत की आत्मा पर हमला है, जिसे भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में पूरा भारत हमले के विरोध में एक साथ खड़ा है।

कॉमेडियन कामरा को मिली राहत, गिरफ्तारी पर रोक

मुंबई, एजेंसी। मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आज कोर्ट ने कुणाल को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ 'देशद्रोही' टिप्पणी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण दे दिया। हालांकि, कोर्ट ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ 'देशद्रोही' टिप्पणी से जुड़े मामले में दर्ज एफआईआर के संबंध में जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कुणाल कामरा ने सोशल मीडिया पर एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके बाद मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसको रद्द करने और गिरफ्तारी से बचने के लिए कुणाल ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि अगर पुलिस को कुणाल से पूछताछ करनी होगी तो यह चेन्नई में होगी, क्योंकि कुणाल तमिलनाडु के निवासी हैं। कोर्ट ने कहा, अगर कुणाल का बयान दर्ज करना हो, तो पुलिस को पहले सूचना देनी होगी और यह प्रक्रिया चेन्नई में पूरी की जाएगी।

नरवाई की आग में जिंदा जल गया किसान, पिता व पुत्र घायल हुए

बीना, दोपहर मेट्रो। बीती रात शहर से करीब दस किमी दूर हींगटी गांव में नरवाई की आग में किसान राजेन्द्र अहिरवार (45) खुद जिंदा जल गया। राजेन्द्र खेत के मकान में पत्नी बेटे के साथ रहता था। रात उसके चार एकड़ खेत की नरवाई जल रही थी। नरवाई किसान राजेन्द्र ने जलाई थी या किसी ने आग लगाई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया। देर रात आग में उसका जला हुआ शव मिला। गांव के कोटवार प्रकाश राय ने बताया कि राजेन्द्र जिस जमीन पर खेती करता था, वह सरकारी भूमि है। इस पर उसका कब्जा है। सबसे पहले पटवारी ने फोन लगाकर आग की सूचना दी। टीआई अनूप यादव ने मौके पर पहुंचकर आग लगने के कारण पता किया।

मेट्रो एंकर शाही परिवार की कहानियों में भी कई अकल्पनीय दुख

स्लीपिंग प्रिंस.... 20 साल से गहरी नींद में शहजादा !

रियाद, एजेंसी।
दुनियाभर में लोग अभी तक भी शाही परिवारों के असाधारण जीवन से मोहित होते रहते हैं। चाहे वह ब्रिटेन के शाही परिवार हों या सऊदी अरब के शाही परिवार, वे आज भी लोगों का ध्यान आकर्षित करते हैं। दरअसल इनका जीवन अक्सर विलासिता और विशेषाधिकारों से भरा हुआ लगता है, फिर भी उनके महलों की सोने की दीवारों के पीछे कुछ शाही कहानियां कई बार अकल्पनीय दुख में लिखी गई होती हैं।मसलन सऊदी अरब के राजपरिवार की कहानियां दुनियाभर में सुनी व सुनाई जाती हैं। जो अक्सर लोगों में दिलचस्पी पैदा करती हैं। मगर इनमें सबसे दिल दहला देने वाली एक कहानी भी है। यह सऊदी अरब के राजकुमार अल-वालिद बिन खालिद बिन तलाल की है, जिन्हें अब 'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से जाना जाता है।प्रिंस अल-वालिद ने हाल में 18 अप्रैल को अपना 36वां जन्मदिन मनाया हैं। लेकिन उनके बारे में कई साल से कोई जानकारी नहीं है। लेकिन वो 'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से मशहूर हैं।क्योंकि वे पिछले 20 सालों से वे कोमा में फंसे हुए हैं? दरअसल एक खतरनाक हादसे ने प्रिंस अल-वालिद के जीवन को

अंधेरे में धकेल दिया। साल 05 में भीषण सड़क दुर्घटना के शिकार हुए थे और उसके बाद से पिछले 20 सालों से वो कोमा में हैं। जब उनका एक्सीडेंट हुआ था, उस वक्त वो एक सैन्य कॉलेज में पढ़ाई करते थे। उल्लेखनीय है कि प्रिंस अल-वलीद, सऊदी अरब के संस्थापक किंग अब्दुलअज़ीज़ के परपोते हैं। उनके पिता, प्रिंस खालिद बिन तलाल, किंग अब्दुलअज़ीज़ के बेटे प्रिंस तलाल बिन अब्दुलअज़ीज़ के पुत्र हैं। इस तरह से, प्रिंस अल-वलीद का संबंध सऊदी अरब के शाही परिवार से है, हालांकि वे वर्तमान राजा के सीधे उत्तराधिकारी नहीं हैं। अब उनका जीवन कोमा के अंधेरे में बीत रहा है। वो रियाद के किंग अब्दुलअजीज मेडिकल सिटी में लेटे हुए हैं, जहां उनकी देखभाल की जाती है। उनका जीवन मशीनों के जरिए पिछले 20 सालों से सुरक्षित रखा गया है। एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक प्रिंस अल-वलीद पिछले 20 वर्षों से वेंटिलेटर पर हैं और उन्हें फीडिंग ट्यूब के जरिए भोजन दिया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक राजकुमार लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं और मैकेनिकल वेंटिलेशन और फीडिंग ट्यूब पर निर्भर हैं।

छह साल पहले जागी थी उम्मीदें

■ बताया जाता है कि 2019 में आखिरी बार उनके शरीर में कुछ हरकतें दर्ज की गई थीं, जब उन्होंने छोटे इशारों में कुछ बात करने की कोशिश की थी। उस दौरान उन्होंने उंगली को उठाया था और अपने सिर को थोड़ा हिलाया था। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि ये उनके होश में आने का संकेत नहीं था। हालांकि उस दौरान उनके परिवार को फिर से उनके कोमा से लौटने की उम्मीद बंधी। लिहाजा उनके होश में आने का इंतजार आज भी चल रहा है। एक बार तो डॉक्टरों ने लाइफ सपोर्ट बंद करने की सलाह दी थी तो उनके पिता प्रिंस खालिद बिन तलाल अल सऊद सहमत नहीं हुए और इसके बजाय अपने प्यारे बेटे की ज़िंदगी के लिए लड़ने का फैसला किया। उनके पिता ने कहा था, अगर भगवान चाहते कि वह दुर्घटना में मर जाए, तो वह अभी अपनी कब्र में होता।

शहर में प्रशासन की लापरवाही का नजारा...

राजधानी भोपाल में इन दिनों कई क्षेत्रों में सीवेज के नाले इस तरह खुले छोड़ दिये गये हैं जो घटना-दुर्घटना व गंदगी का कारण बन रहे हैं।

इनफर्टिलिटी की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिये *अच्छी खबर*

उम्मीद छोड़ चुके लोगों को आयुर्वेद अस्पताल में अब मिल रही खुशियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संतानहीनता या बांझपन (इनफर्टिलिटी) की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिये नयी खबर हैं और इसका इलाज आयुर्वेद में नजर आ रहा है जबकि आमतौर पर एलोपैथिक इलाज ही पसंद करते हैं। दरसअल राजधानी में पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक विज्ञान केंद्र में आयुर्वेदिक दवाओं और खान-पान में बदलाव के जरिये न सिर्फ बांझपन का इलाज हो रहा है, बल्कि गर्भधारण से लेकर सुरक्षित प्रसव तक कराया जा रहा है।

बताया जाता है कि बीते साल यानि जनवरी 24 से हालिया अप्रैल तक यहां 58 महिलाओं ने यहां बांझपन का इलाज कराया है। इनमें से 30 महिलाएं गर्भवती हुई हैं और 16 महिलाएं स्वस्थ शिशु को जन्म भी दे चुकी हैं। इस बारे में शोध मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा फंड किया गया है, जिसके तहत मरीजों को दो महीने तक मुफ्त इलाज और दवाएं दी जाती हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य

संगठन कहता है कि हर 6 में से 1 दंपती किसी न किसी रूप में बांझपन से जूझता है। यदि 12 महीने तक नियमित संबंध के बावजूद गर्भधारण नहीं होता, तो इसे इनफर्टिलिटी माना जाता है। धूम्रपान, शराब, तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी लाइफस्टाइल इनफर्टिलिटी की समस्या को बढ़ाते हैं।

बताया जाता है कि आयुर्वेद में इलाज की कई विधि हैं जो मरीज के मुताबिक तय होती हैं। खुशीलाल अस्पताल की गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. मौसमी कुल्हारे का कहना है कि आयुर्वेद में हर मरीज के अनुसार ही इलाज किया जाता है। कई बार ट्यूब ब्लॉकेज, थायराइड असंतुलन, पीसीओएस या एंडोमेट्रियोसिस जैसी समस्याएं सामने आती हैं। तनाव और खराब जीवनशैली भी प्रमुख कारण हैं। इलाज का असर यह है कि हाल में करीब दस वर्षों से मां बनने की कोशिश कर रही एक महिला अब सात महीने की गर्भवती है। आईवीएफ में समस्याओं का सामना करने के बाद उन्होंने दो माह आयुर्वेदिक इलाज अपनाया था।

जानकारी के मुताबिक आयुर्वेदिक पद्धति में पति-पत्नी की जांच और काउंसिलिंग के अलावा योग, प्राणायाम और नियमित दिनचर्या भी शामिल है। इसमें जंक फूड, मैदा से परहेज तथा मौसमी फल, मोटा अनाज और औषधियों का सेवन जरूरी माना जाता है।

डाक्टरों का कहना है कि शतावरी और अश्वगंधा जैसी जड़ी-बूटियां प्रजनन क्षमता में सुधार कर सकती हैं। हालांकि, इनकी प्रभावशीलता व्यक्ति विशेष पर निर्भर करती है। इसलिए, आयुर्वेदिक उपचार अपनाने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लेना आवश्यक है।

जनप्रतिनिधि नाराज, अफसरों ने मनाया पर भूख हड़ताल पर बैठे

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में अधूरी नल-जल योजनाओं को लेकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य विनय मेहर, चंद्रेश राजपूत, देवकुवर हाड़ा समेत सुरेश राजपूत, अनिल हाड़ा और विनोद राजोरिया जिला पंचायत परिसर में कल भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। इससे अफसरों में हडकंप रहा। जाट ने चार दिन पहले कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को इसकी जानकारी दे दी थी। हांकि आखिरी समय तक कोई हल नही निकलने और इन जनप्रतिनिधियों के प्रदर्शन से जिम्मेदार अफसरों की सांसें फूल गई। इससे पहले बीती रात वे जनप्रतिनिधियों को मनाने में जुटे रहे।

दरअसल, अधूरी योजनाओं के कारण गांवों की बड़ी आबादी गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रही है। इसे लेकर जिला पंचायत की बैठक में मुद्दा भी उठ चुका है, पर पीएचई विभाग के जिम्मेदार नहीं जागे। इस कारण जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा था। जिसमें कहा था कि जिपं ऑफिस परिसर में ही 24 अप्रैल से भूख हड़ताल पर बैठूंगा।हालांकि, कलेक्टर को पत्र लिखते ही सीईओ ईला तिवारी ने नल-जल योजनाओं के बारे में 3 दिन में रिपोर्ट मांग ली थी। उन्होंने जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया अंतर्गत स्वीकृत, हस्तांतरित, ट्रायलरन, प्रगतिरत नल-जल योजनाओं के निरीक्षण, जांच कराने के लिए टीमें बना दीं। इस टीम में पीएचई, जनपद के इंजीनियर, सचिव, रोजगार सहायक शामिल किए गए, जो जिला पंचायत के सभी सदस्य को अवगत कराते हुए निरीक्षण/जांच करेंगे। जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा कि 27 मार्च को साधारण सभा की बैठक हुई थी। इसमें जल जीवन मिशन योजना के तहत विभागीय अधिकारियों को 15 दिन में अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने को कहा गया था, लेकिन 23 अप्रैल का दिन भी बीत गया। बावजूद अब तक न तो कोई रिपोर्ट दी गई और न ही गांवों में पेयजल संकट खत्म हुआ है।

निरंकारियों ने मानव एकता दिवस पर किया रक्तदान

शिविर के शुभारं के पहले सत्संग भी हुआ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन द्वारा 24 अप्रैल, गुरुवार को संत निरंकारी सत्संग भवन, जहांगीराबाद में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 254 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। यह शिविर हमीदिया रक्तदान यूनिट के सहयोग से आयोजित किया गया था।

रक्तदान शिविर से पहले संत निरंकारी सत्संग भवन में बैरागढ़ ब्रांच के संयोजक महात्मा महेश वीधानी की उपस्थिति में विशेष सत्संग भी हुआ। 'मानव एकता दिवस' हर साल 24 अप्रैल को निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंहजी की स्मृति में आध्यात्मिक भावों के साथ मनाया जाता है।

निरंकारी मिशन द्वारा देश भर में रक्तदान की एक प्रेरणादायक श्रृंखला शुरू होती है, जो निस्वार्थ सेवा की सामूहिक भावना का प्रतीक बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती रहती है।शिविर की व्यवस्थाएं क्षेत्रीय संचालक महात्मा अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में सेवा दल के भाई-बहनों द्वारा सुनिश्चित की गई।

संत कॉलेज में बीसीए इंटर्नशिप का समापन

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में गुरूवार को बीसीए प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए इनोबिंब इंफोटेक टेक्नोलॉजी के सहयोग से आयोजित दो माह के इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें 90 छात्राओं ने भाग लिया। इंटर्नशिप के दौरान, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों आदित्य सिंह चौहान और शुभम श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में छात्राओं ने फुल स्टैक डेवलपमेंट के विभिन्न पहलुओं का गहराई से अध्ययन किया और उनकी तकनीकी दक्षता तथा आत्मविश्वास में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी कहा कि इंटर्नशिप में छात्राओं को तकनीक की तेजी से बदलती दुनिया में अपने कौशल को लगातार विकसित करने का मौका मिला है। इनोबिंब इंफोटेक टेक्नोलॉजी के सीईओ गौरव नेमा ने कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाई।

दो दिवसीय राष्ट्रीय मिड टर्म सीएमई

आत्महत्या पर मनोचिकित्सकों का दो दिनी सम्मेलन 26 से

भोपाल। इस वर्ष इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकाइट्रिक के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भोपाल में हो रहा है । उक्त जानकारी देते हुए आयोजन समिति के चेयरमैन और मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आरएन साहू ने बताया कि नेशनल मिड टर्म प्रोग्राम के अंतर्गत समाज और देश की ज्वलंत एवं सामयिक समस्या बन चुकी आत्महत्या प्रवृति को लेकर देश के जाने माने मनो चिकित्सक अपने विचार व्यक्त करेंगे । नेशनल मिड टर्म सीएमई में देश के जाने-माने मनोरोग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही विदेश से भी मानसिक रोग विशेषज्ञ भी इसमें सम्मिलित होंगे। साहू के अनुसार आजकल आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत ज्यादा लोगों में बढ़ती जा रही है, जो सभी उम्र के लोगों में पाई जाती है। यह भी उल्लेखनीय है कि 14 से 24 साल के युवाओं में यह समस्या बहुत तेजी से बढ़ी है और मौत का तीसरा कारण बन गई है। इस समस्या की रोकथाम एवं इसके कारण को जानने और भविष्य के लिए ऐसा कार्यक्रम बनना चाहिए,जिससे हम बच्चों को इस आत्मघाती कदम से बचा सके। साथ ही समाज को और स्वस्थ बना सके। यह एक बहुत ही सामायिक और ज्वलंत विषय है। जिसके लिए हमें सभी को मिलजुल कर कार्य करना होगा । जैसा कि सब जानते हैं कि पूरे विश्व में 72 000 लोग हर साल सुसाइड करते हैं। हर दसवें सेकंड में एक व्यक्ति सुसाइड करता है। 15 से 29 साल की उम्र में मौत का यह नंबर तीसरा कारण बन गया है। यह भी बताना उचित होगा कि 73त्न सुसाइड उन देशों के लोग करते हैं जो कि लोअर और मिडिल इनकम ग्रुप के देश है।

मेट्रो निर्माण से परेशान लोगों की सुध बारिश पूर्व काम पूरा करने के निर्देश

ठेकेदारों को समझाइश, 15 जून से पहले करें ड्रेनेज का काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में मेट्रो के काम पहले ही तय समय से काफी पीछे चल रहे हैं। इसके चलते लोगो को भारी परेशानी भी भोगनी पड रही है। ऐसे में अब मेट्रो का काम करने वाले सभी कांट्रेक्टर को अब बारिश के पहले यानी 15 जून के पहले रोड और ड्रेनेज के काम पहले पूरा करने के लिये कहा गया है। इस संबंध में मेट्रो के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने सभी कांट्रेक्टर्स को निर्देश दिए। उन्होंने यह निर्देश सुभाष नगर मेट्रो डिपो के निरीक्षण के दौरान दिए है। एमडी ने कहा कि जल्दी करें, लेकिन काम की क्वालिटी भी खराब नहीं होना चाहिए। उन्होंने मेट्रो कार्यालय में सभी कांट्रेक्ट पैकेज की समीक्षा बैठक ली। इसके बाद शाम 5 बजे सुभाष नगर स्थित भोपाल मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेट्रो डिपो एंट्री गेट, रैंप एवं अनलोडिंग-बे के निर्माण कार्यों की जानकारी ली।

ट्रेनिंग बिल्डिंग के कार्य एवं डिपो बाउंड्री वॉल को जल्द पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सब-स्टेशन, ट्रैक, इन्स्पेक्शन-बे, स्टेबलिंग-बे, रिपेयर-बे के काम को भी देखा। इस दौरान मेट्रो के सभी अधिकारियों के साथ साथ कांट्रेक्टर भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मेट्रो के काम के चलते सडकों पर बारिश के दिनो में ज्यादा अवरोध कीचड और अन्य समस्या बन जाती हैं जिससे दुर्घटना ट्रेफिक जाम के खतरे ज्यादा बढ जाते हैं। गत वर्ष भी लोगों ने इन समस्याओं का सामना किया था।

मेट्रो एंकर डिफेंस सर्विसेज़ एवं तैयारी पर प्रेरक सत्र

ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करना आवश्यक जो देशभक्त और आत्मनिर्भर हो

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

बचपन से ही देश सेवा का भाव जागृत किया जाना चाहिए। देश के प्रति दायित्व निर्वहन एक संस्कार के रूप में रोपित किया जाना चाहिए। यह विचार संत सिद्धभाऊजी ने व्यक्त किए। वे नवनिध और मिठी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए डिफेंस सर्विसेज़ एवं उसकी तैयारी विषय पर एक विशेष प्रेरणा सत्र में बोल रहे थे।

कार्यक्रम में सेवा निवृत्त कर्नल नारायण परवानी ने छात्रों को डिफेंस सर्विसेज़ में कॅरियर के विकल्प, एनडीए, सीडीएस और एएफसीएटी जैसी परीक्षाओं, चयन प्रक्रिया और आवश्यक शारीरिक एवं मानसिक मानदंडों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुणों पर जोर दिया और प्रेरक वीडियो दिखाए। कर्नल परवानी ने कहा कि

डिफेंस सर्विसेज़ सिर्फ एक कॅरियर नहीं, बल्कि मातृभूमि की सेवा का एक पवित्र अवसर है और ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करना आवश्यक है जो देशभक्त और आत्मनिर्भर हो।

कार्यक्रम में सचिव घनश्याम बूलचंदानी, अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी और प्राचार्य अमृता मोटवानी सहित शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। संचालन शिक्षिका शशि नाथ ने किया। मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य व पर्यावरण जागरूकता पखवाड़ा

हिरदाराम नगर। नवनिध स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस और पृथ्वी दिवस पर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागरूकता पखवाड़ा मनाया गया। पखवाड़े में छात्राओं ने पेपर प्लेट कला, सजावट, मास्क बनाना और स्लोगन लेखन गतिविधियों में हिस्सा लिया। रनवे पर स्वाद- पोषण की ओर एक कदम में पोषण के महत्व को दर्शाया। छात्राओं ने प्राकृतिक संसाधन संरक्षण पर पोस्टर बनाए और वेब पेज डिजाइन कर पर्यावरण विषयों को डिजिटल रूप दिया। सीनियर स्टूडेंट्स ने कपड़े व जूट की थैलियों को सजाकर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का संदेश दिया। प्राचार्या अमृता मोटवानी ने अपने विचार रखे।

कई बार न्यायालयीन लड़ाई भी हारनी पड़ रही, करोड़ों खर्च के बावजूद यह स्थिति

50 फीसद जिला रिकार्ड रूम की हालत खराब, खोजे नहीं मिल रहे सरकारी रिकार्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के जिला रिकार्ड रूम यानी अभिलेखागारों की हालत ठीक नहीं है। इनमें रखे आम लोगों के रिकार्ड में घून लग रही है, चूहे रिकार्ड बर्बाद कर रहे हैं। यहां तक कि रिकार्ड व्यवस्थित नहीं होने के कारण कई बार आम लोगों को कोर्ट में लड़ाईयां हारनी पड़ रही है। यह हाल तब है जब इन रिकार्ड रूमों को व्यवस्थित बनाने के नाम पर करोड़ों खर्च हो चुके हैं। केंद्र व राज्य दोनों ने यह राशि खर्च दी थी ताकि रिकार्ड रूम को आधुनिक दर्जे का मेनटेन किया जा सके, लेकिन कुछ को छोड़कर ज्यादातर जिलों में यह नहीं हुआ।

क्या होते है रिकार्ड रूम : आमतौर पर ये जिला मुख्यालय पर होते हैं। इन्हें अभिलेखागार भी कहा जाता है। इनमें पुराने से पुराना रिकार्ड होता है। इनमें भू–अभिलेख से जुड़े रिकार्ड होते हैं। अर्थात–जिले भर की सरकारी निजी जमीन, उनका आवंटन, रकबा, खसरा, उनमें समय–समय पर किए जाने वाले बदलाव से जुड़े सभी दस्तावेज होते हैं।

जबलपुर के रिकार्ड रूम की देशभर में हो रही चर्चा

इन दिनों जबलपुर के रिकार्ड रूम की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि कभी इसमें से बदबू आती थी, रिकार्ड खोजना तो दूर, इसके अंदर प्रवेश करने की हिम्मत तक नहीं होती थी। किसी भी फाइल को हाथ लगाना खतरे से खाली नहीं था। यहां फाइलें बोरियों और गड्ढों में रखी जाती थी अब वह एयर कंडिश्नर हो गया है। फाइलों पर कोडिंग हो चुकी है। दस्तावेज ऐसे व्यवस्थित रखे हैं, जैसे किसी दवा दुकान में दवाईयों को पूरी जानकारी के साथ क्रमवार रखा गया है। अब जबलपुर के भेड़ाघाट क्षेत्र के जमीनी दस्तावेज की लोकेशन सिंगल क्लिक में पता चल रही है। ऐसे ही पूरे जिले के वर्षों पुराने दस्तावेजों तक लोगों की पहुंच आसान हो गई है। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने बताया कि रिकार्ड प्रबंधन के काम में 300 कर्मचारियों की मदद ली। ये चार महीने जुटे रहे। अब क्रमबद्ध आधार पर प्रत्येक दस्तावेजों की मैपिंग पूरी हो चुकी है। शत-प्रतिशत रिकार्ड अभिलेखागार में उपलब्ध है। नए कर्मचारी भी लोगों की मांग पर आसानी से उपलब्ध करा सकते हैं। आम लोग भी अवलोकन कर सकते है। एक तरह से प्रशासन ने रिकार्ड देखने की चाबी आम लोगों के हाथ में दे दी है।

जबलपुर के रिकार्ड रूम की खासियत

- दस्तावेज पहले कपड़े के बस्तों में रखे जा रहे थे, अब प्लॉस्टिक के बॉक्स मे है।
- हर प्लॉस्टिक बॉक्स की तहसील के हिसाब से कलर कोडिंग की है। उन पर मौजावार, वर्षवार, मदवार केस का विवरण दिया है।
- प्रत्येक रैक को एक यूनिक नंबर दिया है, प्रत्येक केस का विवरण एक ऑनलाइन एप्लीकेशन तैयार कर उसमें डाली गई है, जो सर्च करने पर आसानी से सामने आ जाती है।
- अब आवेदक घर बैठे देख सकते हैं कि उनके काम के दस्तावेज अभिलेखागार में कहां और किस स्थान पर रखे हुए है।
- रिकार्ड रूम के बाद भी कियोस्क लगा दिए है, जिन पर खसरा, रकबा व नाम जैसी एंट्रियां डालकर पूरे दस्तावेज निकाले जा सकते है।
- यही नहीं, ये दस्तावेज कहां है, इस जानकारी का प्रिंट निकालने की सुविधा भी दे दी है, ताकि प्रिंट उपलब्ध कराकर कर्मचारियों से आसानी से समग्र दस्तवेज लिए जा सके।
- नवाचार से रिकार्ड रूम व उनमें रखे गए दस्तावेजों की उम्र 50 साल तक बढ़ी।
- रिकार्ड सुरक्षित हो गया है, अब कोई छेड़छाड़ या गायब नहीं कर सकते।
- मांगे जाने पर किसी तरह का बाहना नहीं कर सकते, क्योंकि रिकार्ड यह पता रिकार्ड मांगने वाले स्वयं भी लगा सकते हैं।

आरजीपीवी में 10-11 मई को आयोजित होगा दो दिवसीय सृजन कार्यक्रम

इनोवेट एमपी मिशन के तहत सृजन के लिए पहुंचे 1568 प्रोजेक्ट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में दो दिवसीय ÷सृजन÷ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), उच्च शिक्षा विभाग और तकनीकी शिक्षा विभाग की सहभागिता से यह कार्यक्रम 10 एवं 11 मई 2025 को आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. मोहन सेन के अनुसार प्रविष्टि की अंतिम तिथि 19 अप्रैल तक विश्वविद्यालय को प्रदेश की कुल 1568 प्रविष्टियां प्रोजेक्ट, मॉडल एवं पोस्टर के रूप में प्राप्त हो चुकी हैं जिसमे रूरल टेक्नोलॉजी में 214, क्लीन एवं ग्रीन एनर्जी में 203, इंडस्ट्री 4.0/5.0 में 425, वेस्ट मैनेजमेंट में 125, लाइफ तथा हेल्थ साइंस में 280, एवं स्मार्ट एजुकेशन में 321 प्रविष्टियां शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सृजन कार्यक्रम में चयनित मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स को कार्यक्रम के दौरान डिस्प्ले किया जाएगा। अगले चरण में 30 अप्रैल 2025 तक प्राप्त प्रविष्टियों में शीर्ष 150 प्रोजेक्ट्स का चयन कर उनकी अंतिम सूची ज़ारी की जाएगी।

छात्र-छात्राओं से वर्किंग मॉडल और प्रोजेक्ट आमंत्रित किए थे

उल्लेखनीय है कि सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत आरजीपीवी द्वारा प्रदेश के इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा उच्च शिक्षा विभाग से सम्बद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं से वर्किंग मॉडल और प्रोजेक्ट आमंत्रित किए थे। इसमें रूरल टेक्नोलॉजी, क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी, इंडस्ट्री 4.0/ 5.0, वेस्ट मैनेजमेंट, लाइफ साइंस/ स्वास्थ्य विज्ञान एवं स्मार्ट एजुकेशन के रूप में 6 श्रेणियों में प्रैक्टिकल एप्लीकेशन को दर्शाने वाले वर्किंग मॉडल, दृश्य आधारित या भौतिक प्रस्तुति आधारित डेमोंस्ट्रेटिव मॉडल एवं प्रक्रियाओं या भविष्य की संभावनाओं को सिम्युलेशन के माध्यम से प्रदर्शित करने वाले प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

6 श्रेणियों में दिए जाएंगे कुल 36 पुरस्कार

सृजन के तहत निर्धारित 6 श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में कुल 36 पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। सांत्वना पुरस्कार के रूप में 12 पुरस्कार तथा महिला सशक्तिकरण के विशेष ज्यूरी पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। इनोवेट एमपी मिशन के तहत सृजन में चयनित प्रोजेक्ट्स को किसी भी प्रकार के बौद्धिक सम्पदा के पेटेंट फाइलिंग के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता, उद्योग में काम करने के लिए आवश्यक कौशल प्रशिक्षण, शोधकर्ताओं के लिए हाई स्पीड इन्टरनेट, थिंकिंग जोन, तथा टेक्नोलॉजी ट्रांसफर प्रोटोटाइप के विकास हेतु तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।?

मप्र सरकार हुई सख्त, 1 मई से नया नियम

नरवाई क्यों जलाई... अब नहीं मिलेगी किसान सम्मान निधि

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार भी अब नरवाई जलाने वाले किसानों पर सख्त है। यह किसान एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर फसल नहीं बेच पाएंगे। ऐसे किसानों को मप्र सरकार की ओर से सालाना मिलने वाले सीएम किसान सम्मान निधि के 6 हजार रुपए भी नहीं मिलेंगे सीएम मोहन यादव ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में बड़ा फैसला लिया। यह फैसला एक मई से लागू होगा। .

सीएम यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है। फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने के मामलों में बढ़ोतरी होने से वायु प्रदूषण सहित कई प्रकार से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। खेत में आग लगाने से जमीन में उपलब्ध पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और जमीन की उर्वरक क्षमता में भी गिरावट आती है। इसके लिए राज्य सरकार पहले ही नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगा चुकी है। पर्यावरण, मृदा संरक्षण और जमीन की उत्पादकता बनाए रखने के मद्देनजर राज्य सरकार अब यह निर्णय ले रही है, जो एक मई से लागू होगा।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी जमीनों, कुएं-बावड़ी, तालाबों और गांवों में सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण हटाने के लिए सख्ती से विशेष अभियान चलाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी जल संग्रहण स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राजस्व अधिकारी अपनी भूमिका अदा करें।

सीएम ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सभी अमृत सरोवर, तालाब, बांध, नहर एवं अन्य जल संरचनाओं को राजस्व रिकॉर्ड में जरूर दर्ज किया जाए और अभियान में नहर, कुएं और बावड़ी जैसी जल संरचनाओं को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किया जाए।

आरजीपीवी :16 मई को होगा 12वां दीक्षांत समारोह, 150 विद्यार्थियों मिलेगी पीएचडी उपाधि

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह 16 मई को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन के हंसध्वनी सभागार में संपन्न होगा। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगू भाई पटेल करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीआरडीओ केपूर्व डायरेक्टर जनरल पद्मश्री डॉ.वी.के.सारस्वत एवं विशिष्ट अतिथि मप्र शासन के तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री इन्दर सिंह परमार होंगें। 12वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विभिन्न समितियों की बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न व्यवस्थाओं के सन्दर्भ में विस्तृत कार्य योजना एवं उसके क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

कॉलेजों में दो शिफ्ट में होगी पढ़ाई, सेमेस्टर सिस्टम भी जारी रहेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कॉलेजों में दो शिफ्ट में पढ़ाई होगी। सेमेस्टर सिस्टम भी लागू रहेगा। साल में एक बार विद्यार्थियों का संवाद वरिष्ठ वैज्ञानिकों से कराया जाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में गुरुवार को इसके निर्देश अफसरों को दिए। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि हम विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति को उनके क्रेडिट स्कोर से जो? रहे हैं।

राज्य के स्तर पर हो ग्रेडिंग: प्रदेश के सभी महाविद्यालयों की स्टेट लेवल पर ग्रेडिंग कराई जाए और तीन श्रेणियों में क्रमश- सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय, सर्वश्रेष्ठ प्राचार्य एवं सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में पुरस्कृत करने की परम्परा शुरू कराई जाएगी। विभागीय अधिकारियों को भारतीय ज्ञान परम्पराओं पर आधारित रोजगारपरक शिक्षा दिए जाने पर जोर देते हुए कहा कि महाविद्यालयों में शोध केंद्र स्थापित कर शोध कार्यों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रदेश के सभी ऐसे क्षेत्रों में, जहां नए महाविद्यालय खोलने की अत्यंत आवश्यकता है, विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों में, अधिकाधिक महाविद्यालय खोले जाएंगे।

एग्रीक्लचर की पढ़ाई शुरू कराई जाएगी : सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश के अधिकाधिक महाविद्यालयों में बीएससी एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं। अब तक चयनित हुए सभी महाविद्यालयों में इसी सत्र से बीएससी (कृषि) पाठ्यक्रम की प?ाई प्रारंभ करें। प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संचालित हैं, इनमें से 37 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस महाविद्यालयों एवं 5 विश्वविद्यालयों में 7 प्रकार के रोजगार आधारित डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

सीएम ने कहा कि विश्वविद्यालयों में मप्र लोक सेवा आयोग से प्राध्यापकों की भर्ती कराएं।

सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी के खिलाफ मंत्री तक पहुंची शिकायत, कई गंभीर आरोप

फिर सुर्खियों में डीईओ कार्यालय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल जिला जिला शिक्षा अधिकारी लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस बार मामला डीईओ कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी का है। जिसके खिलाफ अभद्र व्यवहार, पुलिस थाने में दर्ज प्रकरण, नियमों के विपरीत दो-दो शासकीय भवन लेने, आय से अधिक संपत्ति, शासन को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने सहित कई गंभीर आरोपों की शिकायतें स्कूल शिक्षा मंत्री कार्यालय तक पहुंची हैं। जिसके बाद मामले में जिसके बाद मामले में लोक शिक्षण संचालनालय ने संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संभाग भोपाल को जांच के निर्देश जारी किए हैं।

यह है पूरा मामला : दरअसल, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी सीजे जॉयसन को लेकर फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, भोपाल चैप्टर नामक संस्था के पत्र पर यह शिकायत स्कूल शिक्षा मंत्री कार्यालय को की गई है। इन शिकायतों में कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि जॉयसन को टायपिंग परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वेतन वृद्धि का लाभ दिया जा रहा है, जबकि उन्हे टाइपिंग का किसी प्रकार का कोई ज्ञान नहीं है। पत्र में टॉयपिंग परीक्षा, कर्मचारियों के साथ लगातार अभद्र व्यवहार, पुलिस थाने में दर्ज प्रकरण, नियमों के विपरीत दो-दो शासकीय भवन लेने, आय से अधिक संपत्ति, शासन को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने सहित कई अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। इधर मामले में सीजे जॉयसन ने सभी आरोपों को नकारते हुए शिकायतों को फर्जी बताया है। उन्होंने कहा कि मामले में विभाग द्वारा जांच की जा रही है। सीजे जॉयसन ने कहा कि जिस व्यक्ति द्वारा यह शिकायत की जा रही हैं, उसका संस्था से कोई लेना-देना नहीं है। झूठे आरोपों के साथ यह शिकातयतें की गई हैं। संभागीय संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण संभाग भोपाल को जारी किए गए आदेश में लोक शिक्षण संचालक केके द्विवेदी ने कहा है कि इन शिकायती पत्रों का अवलोकन किया जाए।

संपादकीय

हर कदम पर सतर्कता जरूरी

पहलगाम के आतंकी हमले के बाद से भारत के भीतर ही नहीं दुनियाभर के लोगों में यह उत्सुकताएं हैं कि भारत कैसे पाकिस्तान से बदला लेता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कल बिहार की रैली में साफ संदेश दिया है कि पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी।%उन्होंने कहा कि हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई, किसी ने जीवन साथी खोया। इनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़, कोई गुजराती था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा आक्रोश एक जैसा है। जाहिर है कि इससे लोगों में यह उत्सुकता बढी है साथ ही यह आश्वत्ति भी,कि सरकार दोषियों को सबक सिखाऐगी। दरअसल इस हमले में 28 लोगों को जान गंवानी पड़ी। अब केंद्र सरकार के लिए पहली चुनौती यह है कि हमले का तरीका यह संकेत देता है कि आतंकी और उनके समर्थक चाहते हैं कि पर्यटकों के दिलोदिमाग में भय पैदा कर दिया जाए। क्योंकि कुछ वर्षों से जम्मू कश्मीर में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। 2015 के 1.3 करोड़ से बढ़कर 2023 में वहां जाने वाले पर्यटकों की तादाद 2.1 करोड़ तक पहुंच गई थी। यह भावना प्रबल हो चली थी कि कश्मीर में हालात सामान्य हो चुके हैं और अब घाटी में जाना सुरक्षित है। ऐसे में आतंकियों ने आर्थिक संभावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है और सामान्य होते हालात को फिर अस्तव्यस्त कर दिया है। दूसरी चुनौती है हमले की समुचित जांच व जिम्मेदारों की तलाश। फिर खुफिया और सुरक्षा तंत्र की कमियों को दूर करना होगा। वैसे यह पुरानी समस्या है, गत वर्ष भी आतंकियों ने कई हमले किए। उन्होंने एक पर्यटक जोड़े पर गोलीबारी की, तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमला किया। छह प्रवासी श्रमिकों और एक चिकित्सक की हत्या कर दी। चिंताजनक बात यह है कि आतंकियों ने अपने पारंपरिक दायरे का विस्तार घाटी से जम्मू तक कर लिया। कुछ घटनाओं के चलते पर्यटकों के उफान वाले सीजन में खतरे का आकलन बढ़ा हुआ होना चाहिए था। चूंकि् अमेरिका के साथ हमारी रणनीतिक करीबी से जुड़ी हैं जिनसे पाकिस्तान नाखुश होगा। कनाडाई-अमेरिकी तहव्वुर राणा का अमेरिका द्वारा भारत प्रत्यर्पण भी ऐसा ही एक मामला है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा को भी उकसावे की एक वजह माना जा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि कश्मीर उनके देश की 'गर्दन की नस' है। खुफिया एजेंसियों ने उनके बयान को आसन्न आतंकवादी हमले का संकेत माना। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत थी। आखिर में, सोशल मीडिया और मुख्य धारा के मीडिया के माध्यम से जनता की नाराजगी को महसूस किया जा सकता है लेकिन सरकार को हालात से निपटने में संयम और तार्किकता से काम लेना चाहिए। बहरहाल, ऐसी खबरें हैं कि आतंकियों ने लोगों की धार्मिक पहचान की जांच करने के बाद उन पर हमला किया। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि सरकार को यह भी देखना होगा कि किसी तरह का सांप्रदायिक तनाव नहीं भड़के। देश में इस समय ऐसा कुछ नहीं हो, जिससे राज्य की शांति व्यवस्था नए सिरे से भंग हो जाए। हमले को लेकर विभिन्न मोर्चों पर नपीतुली प्रतिक्रिया भी देनी होगी। मगर सबसे पहले जरूरी है कि कश्मीर के हालात सामान्य किये जाएं और आतंकी गुटों के सफाए के लिए पूरी ताकत झोंकी जाए। यानी पूरी सतर्कता,मुस्तैदी और समग्रता के साथ कदमों की दरकार है।

सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 1809: ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और पंजाब के सिख शासक रणजीत सिंह के बीच अमृतसर संधि पर हस्ताक्षर।
- 1867: जापान की राजधानी टोक्यो में विदेशी व्यापार की अनुमति दी गई।
- 1905: दक्षिण अफ्रीका में अश्वेतों को मताधिकार मिला।
- 1953: कैंब्रिज विश्वविद्यालय के दो वैज्ञानिकों जेम्स डी वॉटसन और फ्रांसिस क्रिक ने डीएनए की संरचना की व्याख्या कर जीव विज्ञान की इस बुनियादी पहेली का जवाब खोज लिया कि जीव अपना वंश कैसे बढ़ाते हैं। इन दोनों वैज्ञानिकों को उनकी इस खोज के लिए 1962 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1954: बेल लैब्स ने न्यूयार्क में पहली बार सोलर बैटरी बनाने की घोषणा की।
- 1957: सोडियम परमाणु रिएक्टर पहली बार संचालित किया गया।
- 1975: सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- 1980: अमेरिकी सेना ने तेहरान स्थित अपने दूतावास से 53 बंधकों को छुड़ाने का गोपनीय अभियान चलाया। इसमें सफलता नहीं मिल पाई और आठ अमेरिकी सैनिक मारे गए। यह संकट 444 दिन तक चला और अंततः जनवरी 1981 में इन बंधकों की रिहाई हो पाई।
- 1981: जापान के सुरूगा में एक परमाणु संयंत्र में मरम्मत कार्य के दौरान 100 से अधिक मजदूर परमाणु विकिरण का शिकार हुए।
- 1983: जर्मनी की पत्रिका स्टर्न ने हिटलर की उस विवादास्पद डायरी को छापना शुरू किया, जिसे उन्होंने कथित रूप से दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान कलमबद्ध किया था। डायरी की प्रामाणिकता पर कई सवाल उठाए गए।

निशाना

खोज खोज कर, चुन चुन कर !

-कृष्णेन्द्र राय

मिट्टी में मिला देंगे ।
आया बड़ा बयान ।।
खोज खोज कर, चुन चुन कर ।
लेनी सबकी जान ।।
हो कोई भी आका ।
तय पड़ना अब भारी ।।
जमींदोज करने की ।
पूर्ण हुई तैयारी ।।
असर दिखने वाला ।
भय में पाकिस्तान ।।
सचमुच है कुछ बड़ा ।
गयी ये दुनिया जान ।।
है दहशत का साया ।
लगे दौड़ने सारे ।।
है करतूत ऐसी ।
किसको अब पुकारें ।।

त्रिभाषा फार्मूला विरोध की संकीर्ण राजनीति

■ **विश्वनाथ सचदेव**

हिंदी हमारे देश की राजभाषा का नाम है, पर इसे एक और अर्थ में भी समझा जा सकता है- वह अर्थ है हिंदी यानी हिंदोस्तां का। अल्लामा इकबाल ने लगभग सवा सौ साल पहले लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा' आज़ादी की लड़ाई के दौरान ही हमारे स्वतंत्रता-सेनानियों ने हिंदी को पूरे देश की भाषा के रूप में मान्यता दे दी थी। फिर, जब संविधान के निर्माण का कार्य चल रहा था तो इस आधार पर हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकारे जाने की बात कही गई थी कि देश में हिंदी को समझने वालों की संख्या अन्य सभी भारतीय भाषाओं से अधिक है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं में हिंदी की वकालत करने वाले मुख्यतः अहिंदी भाषी नेता ही थे। हिंदी को राजभाषा घोषित किये जाने की मांग करने वालों में सबसे पहला नाम दक्षिण भारतीय विद्वान गोपालस्वामी अय्यंगर का है। उन्होंने ही गुजराती भाषी के.एम. मुंशी के साथ मिलकर इस आशय का प्रस्ताव संविधान सभा में रखा था, जिसे भरपूर समर्थन मिला।

जब हम आज़ाद हो गये तो यह बात एक स्वीकृत सत्य की तरह मान ली गयी थी कि अब देश का काम देश की भाषा-हिंदी में होगा। पर इसी बीच दक्षिण और उत्तर के नाम पर हिंदी को लेकर विवादास्पद बातें भी होने लगीं। दक्षिण में, विशेष कर तमिलनाडु में, यह भावना उठने लगी कि हिंदी के माध्यम से उत्तर भारत दक्षिण भारत पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लेगा। बात भले ही सांस्कृतिक आधिपत्य के रूप में की जा रही थी, पर यह भी सत्य है कि कथित 'हिंदी साम्राज्यवाद' की आशंका के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक वर्चस्व की आशंका भी थी। हालांकि ऐसा कुछ था नहीं। हिंदी की स्वीकार्यता की बात का आधार यही तथ्य था कि देश में हिंदी बोलने-समझने वालों की संख्या सर्वाधिक थी। हिंदी को राजभाषा बनाने का कदापि यह अर्थ नहीं था कि हिंदी देश की अन्य भाषाओं से कहीं बेहतर या ऊंची भाषा है। आज भी यदि ऐसी कोई भावना किसी में है, तो वह ग़लत है। हिंदी देश की, विशेष कर दक्षिण भारत की, भाषाओं से तुलना में कहीं कम समृद्ध है। हिंदी को तो मुख्यतः इसलिए स्वीकारा गया कि इससे देश भर में संवाद कुछ आसान हो जायेगा। हिंदी वालों को, और गैर-हिंदी भाषियों को यह बात समझनी ही होगी कि हिंदी देश की बाकी भाषाओं की बड़ी बहन नहीं, एक सखी है। दोस्ती में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। सब बराबर होते हैं।

इसी भावना के साथ यह माना गया कि देश के लोगों को तीन भाषा तो सीखनी ही चाहिए- एक अपनी मातृभाषा, दूसरी अंग्रेजी, और तीसरी देश की कोई अन्य भाषा। हमारी नयी शिक्षा-नीति में भी यही सोचकर तीन भाषाओं की बात कही गयी। आशा और अपेक्षा यह थी कि दक्षिण वाले हिंदी सीख लेंगे, और उत्तर वाले कोई भारतीय भाषा। पर हिंदी वालों से यहां जानबूझकर या अनायास ही एक चूक हो गयी-उन्होंने तमिल या मलयालम या बांग्ला या कन्नड़ आदि भारतीय भाषाओं में से किसी एक को सीखने के बजाय संस्कृत को सीखना ज़्यादा पसंद कर लिया। संस्कृत पढ़ने में कुछ ग़लत नहीं है, पर यह उस अपेक्षा के अनुरूप नहीं था जिसे आधार बनाकर त्रिभाषा फार्मूला लागू किया गया था। इसी अपेक्षा की पूर्ति के लिए नयी शिक्षा-नीति में त्रिभाषा फार्मूला स्वीकारा गया। पर, दुर्भाग्य से अब भी दक्षिण, पूर्व या पश्चिम भारत वालों में से कुछ लोगों को इसमें 'हिंदी साम्राज्यवाद' की गंध आ रही है। इस सोच का नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में दिख रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने नयी शिक्षा- नीति में किये गये प्रावधान को स्वीकारते हुए स्कूली स्तर पर मातृभाषा, अंग्रेजी और हिंदी को अनिवार्य बनाया है। यह अनिवार्यता कुछ तत्वों को खल रही थी। यह तत्व अब भी इस गलतफ़हमी के शिकार हैं कि इस शिक्षा-नीति से उनकी मातृभाषा को नुकसान पहुंचाने का कोई षड्यंत्र रचा जा रहा है! हैरानी की बात तो यह है कि हिंदी सीखने-सिखाने का विरोध करने वाले यह तत्व अंग्रेजी को त्रिभाषा फार्मूले का हिस्सा बनने पर चुप हैं। बिना किसी ठोस आधार के उन्होंने एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, को तो सहज स्वीकार लिया है, पर अपने ही देश की एक भाषा, हिंदी, को स्वीकारने को वे 'थोपा जाना' मान रहे हैं। हकीकत यह है कि कल भी हिंदी का विरोध करने के पीछे राजनीतिक स्वार्थ थे, और आज भी राजनीतिक स्वार्थ ही महाराष्ट्र समेत देश के कुछ हिस्सों में हिंदी का विरोध करवा रहे हैं।

अंग्रेजी विश्व की एक प्रमुख भाषा है, इसमें कोई संदेह नहीं। अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से सीखना-समझना कहीं ग़लत नहीं है। पर इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, या नहीं किया जाना चाहिए, कि अंग्रेजी सारी दुनिया की नहीं, दुनिया के कुछ ही देश की भाषा है। जापान, जर्मनी, फ्रांस, चीन, रूस जैसे न जाने कितने ही देश हैं जिन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को अनुचित माना है। अपनी भाषा में काम-काज करने की उनकी जिद से उन्हें कहीं कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उल्टे उन्होंने इस ज़िद को अपनी अस्मिता के संदर्भ में समझा है। होना यह चाहिए था कि महाराष्ट्र में अंग्रेजी की अनिवार्यता पर सवाल किया जाता। विश्व-व्यापार के लिए अथवा अंतर्राष्ट्रीय संपर्कों की दृष्टि से यदि अंग्रेजी सीखने की ज़रूरत है तो उनसे जुड़े लोग यह भाषा सीख लेंगे-हर भारतीय को इसे सीखने की विवशता क्यों? इसलिए, विरोध यदि ज़रूरी है तो वह अंग्रेजी की अनिवार्यता का होना चाहिए। हिंदी का नहीं।

महाराष्ट्र में हिंदी सीखने-सिखाने के इस विरोध के पीछे बच्चों पर भाषाई-बोझ का तर्क भी दिया जा रहा है। मुख्य बात तो यह है कि भाषा बच्चों पर बोझ नहीं होतीं, बड़ों की तुलना में वह कहीं अधिक आसानी से भाषाएं सीख लेते हैं। फिर भी यदि किसी को तीन भाषाओं की अनिवार्यता बोझिल लग रही है तो विरोध एक विदेशी भाषा, अंग्रेजी, का होना चाहिए, अपने ही देश की सर्वाधिक बोली-समझी जाने वाली भाषा, हिंदी, का नहीं। भाषा की राजनीति से कुछ राजनीतिक स्वार्थ भले ही सध जाते हों, पर यह राजनीति हमें टुकड़ों में बांटने वाली है। हमें तो इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हमारे पास इतनी सारी समृद्ध भाषाएं हैं। ये सारी भाषाएं हमारी पहचान हैं, हमारा गौरव हैं। हिंदी की अनिवार्यता से मराठी को नुकसान पहुंचाने के सोच वालों को यह समझना चाहिए कि हिंदी नहीं, अंग्रेजी से हमारी भाषाओं को खतरा है। आज देश के सब हिस्सों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की बाढ़-सी आ गयी है। पिछले कुछ सालों में मुंबई में मराठी और हिंदी माध्यम के सौ से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं। चिंता इस बात की होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है, और कैसे इस प्रवृत्ति को रोका जाये। हमारी भाषाएं हमारी पहचान हैं। चिंता इस पहचान को बचाये रखने की होनी चाहिए।

(साभार : लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

पर्यटकों पर हमला: जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग को लग सकता है गहरा धक्का

■ **विनोद पाठक**

सुरक्षा के साथ ही इस आतंकी हमले से जम्मू और कश्मीर का पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित होगा, ऐसा साफ-साफ दिख रहा है। पहलगाम हमले के बाद बड़ी संख्या में देशभर से लोगों ने जम्मू और कश्मीर घूमने का अपना प्लान रद्द किया है।

जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का अपना अति महत्वपूर्ण दौरा मध्य में छोड़कर भारत लौट आए हैं। पहलगाम की घटना ने कहीं न कहीं सरकार की उन कोशिशें को गहरा धक्का पहुंचाया है, जो जम्मू और कश्मीर को सामान्य जनजीवन की ओर ले जाने वाली हैं।सुरक्षा के साथ ही इस आतंकी हमले से जम्मू और कश्मीर का पर्यटन उद्योग सबसे अधिक प्रभावित होगा, ऐसा साफ-साफ दिख रहा है। पहलगाम हमले के बाद बड़ी संख्या में देशभर से लोगों ने जम्मू और कश्मीर घूमने का अपना प्लान रद्द किया है। संभवतः पाकिस्तान और उसके समर्थक आतंकियों की यही कोशिश है कि वो जम्मू और कश्मीर को एक असुरक्षित स्थान के रूप में दुनिया को दिखलाएं। भारत सरकार के लिए यह परीक्षा की घड़ी है। एक तरफ पहलगाम हमले का मकबूल जवाब देना है तो दूसरी ओर जम्मू और कश्मीर में स्थिति को सामान्य करना भी है।

पहलगाम, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है, वहां प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में देश-दुनिया से पर्यटक पहुंचते हैं। इनदिनों जम्मू और कश्मीर पर्यटकों से भरा पड़ा है। मंगलवार को भी जिस समय पहलगाम की बैसरन घाटी में यह आतंकी घटना घटी, उस समय भी 4000-5000 पर्यटक वहां मौजूद थे। पर्यटन उद्योग जम्मू और कश्मीर की रीढ़ की हड्डी है। पिछले कुछ वर्षों से जम्मू और कश्मीर में लगातार पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

वर्ष 2023 में जम्मू और कश्मीर में 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढ़कर 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकॉर्ड है। पर्यटन से केंद्र शासित प्रदेश के 5 लाख से अधिक लोगों को प्रत्येक और परोक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। नब्बे के दशक में जब आतंकवाद जम्मू और कश्मीर में चरम पर पहुंच गया था, तब वहां पर्यटकों की संख्या लगभग शून्य तक पहुंच गई थी, लेकिन वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन के दौरान ऐसे कई प्रयास किए, जिनसे जम्मू और कश्मीर सामान्य जनजीवन की ओर लौटता चला गया।

वहां न केवल विधानसभा चुनाव हुए, बल्कि दुनिया को यह विश्वास हुआ कि जम्मू और कश्मीर अब सुरक्षित है। यही कारण था कि दुनियाभर से बड़ी संख्या में पर्यटकों ने जम्मू और कश्मीर की ओर रुख किया। होटल इंडस्ट्री, हैंडीक्रॉफ्ट, फूड इंडस्ट्री, गाइड, हाउसबोट और अन्य उद्योग पर्यटन से सीधा संबंधित हैं। हर साल करोड़ों रुपए की आमदनी जम्मू और कश्मीर सरकार तथा लोगों को पर्यटन से होती है। पहलगाम हमले से जम्मू और कश्मीर निश्चित रूप से आर्थिक रूप से परेशानी में पड़ेगा। पिछले कुछ समय से जिस तरह से पर्यटन जम्मू और कश्मीर में बढ़ा है, उससे साफ है कि लोगों में सुरक्षा की भावना जागी थी। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ने से यह मैसेज दुनिया में गया कि जम्मू और कश्मीर अब सुरक्षित है, लेकिन पहलगाम की घटना ने सरकार के प्रयासों को आघात पहुंचाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घटना के चंद घंटे में स्वयं श्रीनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सऊदी अरब से लौट आए। सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। देश भर में अलर्ट जारी किया गया है।

केंद्र सरकार के लिए यह परीक्षा की घड़ी है। एक तरफ देशभर में आक्रोश है। पाकिस्तान और उसके समर्थक आतंकियों को सबक सिखाने की जनभावना साफ दिख रही है। उरी और पुलवामा हमलों के बाद भारतीय सैन्य बलों ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। ऐसा ही कुछ दोबारा होता दिख रहा है। मोदी सरकार की प्रथम प्राथमिकता निश्चित रूप से जनता में विश्वास लौटना तथा जम्मू और कश्मीर में दोबारा स्थिति को सामान्य करना है। पहलगाम में आतंकी हमले ने कहीं न कहीं जम्मू और कश्मीर में पर्यटन की रीढ़ को तोड़ने का प्रयास किया है। उम्मीद यही है कि स्थिति जल्द सामान्य होगी और एक बार फिर पहलगाम की वादियों में पर्यटक चहलकदमी करते हुए दिखेंगे।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

सर्व हिन्दू समाज ने जलाया आतंकवाद का पुतला, राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

सर्व हिन्दू समाज द्वारा पहलगाम में हुई घटना के विरोध में जयस्तंभ चौक पर नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया और आतंकवाद का पुतला जलाया। इसके बाद एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि पहलगाम (जम्मू कश्मीर) में हिन्दु धर्म के पर्यटक एवं स्थानीय व्यक्तियो के साथ आतंकवादियों द्वारा बर्बरतापूर्वक अपनी कायरता का परिचय देते हुये व्यक्तियों से उनका धर्म पूछकर उन पर निरंतर गोलियां बरसाई गई एवं कई घंटो पहलगाम में भयंकर उपद्रव किया गया एवं 28 हिन्दू पर्यटको का खुले आम नरसंहार किया गया है। बड़े ही दुख का विषय है कि हिन्दुस्तान में धर्म पूछकर हिन्दू होने पर उनकी निर्मम हत्या कर दी जाती है आतंकवादियो द्वारा नरसंहार हिन्दुओ के साथ ही किया है इससे यह स्पष्ट है कि आतंकवादी के मंसूबे हिन्दुओं एवं गैर मुस्लिमो की हत्या करने के लिये ही षडयंत्र किये जा रहे है। जम्मू कश्मीर भारत का अंग है जिसमें खुले आम हिन्दुओ की हत्या की जा रही है वह दिन दूर नही कि जब इस प्रकार की घटनाएँ

अन्य राज्यो में भी घटित हो सकती है। अगर उक्त घटना पर ईंट का जबाब पत्थर से नहीं दिया गया तो संतो ने भी इस बात का उल्लेख किया है। कि जैसे को तैसी भाषा में समझाना चाहिये इसलिये ऐसे विधर्मी आतंकवादियो को घर में घुसकर पूर्ण विनाश भारत सरकार को करना चाहिये जिससे भविष्य में इस प्रकार की कोई घटना हिन्दुस्तान में हिन्दुओं के साथ घटित न कर सकें। एवं देश में बैठे हुये आस्तीन के सांपों को भी ढूंढकर पूर्ण विनाश करना चाहिये। इस घटना की जबाबी कार्यवाही हो कि भविष्य में कोई भी आतंकवादी हिन्दूओ को आँख उठाकर न देख सके।

अतः सर्व हिन्दू समाज निवेदन करता है कि आतंकवादियों द्वारा किये इस घिनौने कृत्य का जबाब कठोर कदम उठाते हुये उनका सर्वनाश किया जावे एवं ऐसे आतंकवादियों एवं देशद्रोहियो का संरक्षण करने वालो पर भी कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जावे। जिससे सर्वसमाज निर्भयता से पूर्ण स्वतंत्रता से अपना जीवन यापन कर सकें। वहीं शाम जयस्तंभ चौक पर सभी मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किया गया श्रमदान

ग्राम सागाखेड़ा में जागरूकता एवं सहभागिता का दिया अनोखा परिचय

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

ब्लॉक माखन नगर के ग्राम सागाखेड़ा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत श्रमदान एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन ग्राम विकास प्रफुटन समिति के अध्यक्ष राहुल शुक्ला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल एवं ब्लॉक समन्वयक नरेंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था एवं साथी सामाजिक सेवा समिति द्वारा जल संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक श्रमदान से हुई, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके पश्चात ब्लॉक समन्वयक नरेंद्र देशमुख ने जल संरक्षण की आवश्यकता और उसके उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सामाजिक सेवा समिति से नीरज चतुर्वेदी ने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें पानी की एक-एक बूंद बचानी होगी, तभी जल गंगा संवर्धन अभियान सफल हो सकेगा।

नवांकुर संस्था के प्रतिनिधियों हरीश नामदेव, सुरेश यादव, मनीष

पाल एवं अन्य सहयोगियों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ ली।

संस्था ने ÷जल ही जीवन है÷ की भावना को आत्मसात करते हुए जल की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम में प्रस्फुटक छात्रा किरण मेहरा, नीरज मेहरा, संतराम केवट, कस्तूरी, रोहित अनिल समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए।

जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : सार्वजनिक प्याऊ की स्थापित

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर जल संचयन एवं संरक्षण की दिशा में नित नए क्रियाकलाप किये जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में जिले में कई स्थानों पर सराहनीय पहल की गई है। इस अभियान के तहत जिले की विभिन्न तहसीलों में चुनिंदा स्थानों पर सोक पिट गड्ढों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इन सोक पिट्स के माध्यम से हैंडपंप एवं अन्य जलस्रोतों से निकलने वाला अतिरिक्त जल भूमि में समाहित होकर जलस्तर को पुनः भरने में सहायक सिद्ध होगा। यह उपाय जल संकट की समस्या से निपटने में एक प्रभावी प्रयास माना जा रहा है। इसके साथ ही भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए जिले के प्रमुख चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ (जल स्टैंड) स्थापित किए गए हैं, ताकि राहगीरों और आम जनमानस को शीतल पेयजल सुलभ हो सके। जिला प्रशासन द्वारा भी आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं, जल के संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएं।

कलेक्टर ने नहरों का निरीक्षण कर सिंचाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया

नर्मदापुरम.कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सिवनी मालवा क्षेत्र की पगढाल स्थित नहर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया तथा चंद्रपुरा माइनर हेड नहर, टेल क्षेत्र एवं ऐलान क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के ईई को निर्देशित किया कि किसानों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुचारू रूप से जल उपलब्ध कराया जाए, ताकि सिंचाई कार्य में कोई बाधा न आए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जल संसाधन विभाग की टीम नियमित रूप से नहरों की पेट्रोलिंग करें तथा जल प्रवाह को अव्यवस्थित करने वाले अवरोधों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। इससे नहरों में जल प्रवाह की निरंतरता बनी रहेगी और किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से नहरों की समुचित देखरेख एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

3 साल दुष्कर्म, फिर वीडियो वायरल की धमकी देकर ढाई लाख वसूले

तेंदूखेड़ा। दमोह देहात थाना अंतर्गत निवासी एक युवक के साथ नगर के शैलेन्द्र अवस्थी पिता लक्ष्मी प्रसाद अवस्थी वार्ड क्रमाक 4 यादव मौहल्ला के द्वारा लगभग तीन से दुष्कर्म करने एंव मोवाईल पर बीडियों बनाकर वायरल करने की धमकी देकर लगभग ढाई लाख रूपए बसूल किए जाने पर पीडित युवक की षिकायत पर तेंदूखेड़ा पुलिस आरोपी के विरूद्ध धारा 377.384.506 के तहत मामला दर्ज किया है साथ ही पुलिस ने आरोपी को पुलिस ने गिरफतार कर लिया है और आज आरोपी को न्यायलय में पेष किया जाएगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्राथी युवक जो दमोह देहात का रहने वाला है। मजदूरी करता है। उसने कहा कि शैलेन्द अवस्थी निवासी तेंदूखेड़ज्ञ से मेरी माह 8 अक्टूबर वर्ष 2022 में दमोह में मुलाकात हुई थी जो जान पहचान हो जाने के कारण हम दोनों ने एक दूसरे का फोन नंबर ले लिया था और हम लोग आपस में बात करने लगे थे। शैलेन्द्र अवस्थी निवासी तेंदूखेडा ने मुझे 23 अक्टूबर 2022 को तेंदूखेड़ा बुलाया था और घुमाने का बोलकर मुझे झरौली नाले के पास ले गया और मेरे साथ नाले के पास शैलेन्द्र ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। जिसका शैलेन्द अवस्थी ने वीडियो बना लिया था और मुझे धमकी दी कि यदि तूने मेरा कहा नहीं माना तो मैं तेरा ये वीडियो वायरल कर दूंगा और मुझसे पैसो की मांग करने लगा। इसके बाद शैलेन्द्र अवस्थी ने मुझे कई बार अपने घर बुलाया और मेरे साथ गलत काम किया और वीडियो वायरान नहीं करने के एवज में मुझसे कई बार नगद कभी 10 हजार कभी 20 हजार करके करीव मुझसे 2.50 लाख रूपये ले लिये है अवस्थी ने पिछले तीन साल से मेरा शारीरिक शोषण किया है। आखरी बार 31 जनवरी 2024 को ने अपने घर बुलाकर गलत काम किया था। अब मेरे पास शैलेन्द्र अवस्थी को देने के लिये पैसे नहीं थे मेरे पास केवल मरने की नौबत आने से मैं रिपोर्ट करने आया हूँ।

जैन को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था का बनाया विधायक प्रतिनिधि

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

राज्य मंत्री एवं जवेरा विधायक धमेन्द्र सिह लोधी ने नगर के विवेक चैधरी को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तेंदुखेड़ा जिला दमोह में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। विवेक चैधरी पूर्व मे मण्डल अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, संचालक सहकारी केंदीय बैंक के पदों पर रहे। इन्हे विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने पर मूरत सिंह संसद प्रतिनिधि, मण्डल अध्यक्ष संतकुमार पाल, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, परम सिंह, गोविन्द यादव, डीके. सोनी, अनीतासिंह, रश्मि साहू, नीतू साहू, शुभम जैन गनेश सेन, प्रहलाद सोनी, रमेश तिवारी, दुर्गा प्रसाद गोटिया, प्रेमसिंह

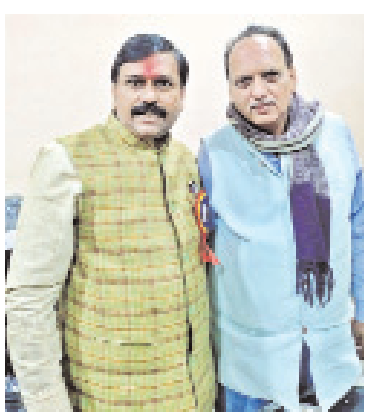

घोसी, हरिसिंह, नर्मदा दुवे, विपिन घोसी, कैलाश घोसी, बबलू घोसी, ईश्वर वेन, गोपाल ठाकुर, राजू रसिया, चेतन जैन, श्याम जैन, मनीष मोदी, सुरेन्द्र सेन, रमेश केवट छोटा केवट, धरम केवट आदि सभी कार्यकर्ताओ ने बधाईयां दी है।

न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत के संबंध में हुई चर्चा

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीसी गुप्ता की अध्यक्षता में अधिवक्ता कक्ष न्यायालय परिसर तेंदूखेड़ा में नेशनल लोक अदालत दिनांक 10 मई 2025 के विषय में बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से किया गया। मुख्य संबोधन न्यायाधीश पीसी गुप्ता द्वारा किया गया जिसमें आगामी नेशनल लोक अदालत के विषय में चर्चा की गई इसमें उपस्थित पक्ष करो तथा अधिवक्ताओं के सामंजस्य से राजीनामा के द्वारा अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण का आह्वान किया गया।

तत्पश्चात न्यायाधीश पूजित कमल द्वारा अपेक्षाकृत सर्वाधिक

प्रकरणों के निराकरण का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता रतनलाल साहू द्वारा किया गया।

इस दौरान अभियोजन अधिकारी श्रीमती श्रद्धा श्रीवास्तव अधिवक्ता संघ अध्यक्ष लेखराम साहू, राकेश शर्मा, आशीष नामदेव, केके आठया, मनोज सोनी, बीके चैबे, राजा अहिरवार, संतोष सिंह, महेश मिश्रा, राकेश सिंह, देवेंद्र अहिरवार न्यायालय स्टाफ तथा पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

अमेरिका से लौटने पर डॉ. जैन का रेल्वे स्टेशन पर किया स्वागत

नर्मदापुरम. सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा संस्था के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर प्रदीप जैन का अमेरिका से लौटने पर रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया. अरुण दीक्षित ने बताया कि डॉ जैन शिक्षाविद होने के साथ-साथ एक समाजसेवी भी है जो हर वक्त संस्था के साथ अपनी सहभागिता निभाते रहते हैं. इस अवसर पर उपस्थित संस्था के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत एम्बेसडर डॉ मयंक तोमर सेवानिवृत्त एसबीआई के प्रबंधक अनूप दुबे समाजसेवी जय बाला निगम मुस्लिम समाज के मोहम्मद असलम भारती के साथ अन्य सदस्य भी उपस्थित हुए. सभी ने डॉक्टर प्रदीप जैन को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की.

मेट्रो एंकर गेहूं उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण जारी

सोहागपुर एसडीएम ने किया वेयरहाउस का निरीक्षण, कहा-परिवहन सुनिश्चित किया जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में गेहूं उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार समस्त अनुभागीय अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी क्रम में सोहागपुर एसडीएम अनिल जैन द्वारा सोहागपुर तहसील अंतर्गत ग्राम गुरमखेड़ी स्थित माँ रेवा वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जित गेहूं की बोरियों का वजन तुलवाकर जांच की तथा यह सुनिश्चित किया कि उपार्जन कार्य शासन के निर्धारित

दिशा-निर्देशों के अनुसार हो रहा है या नहीं। उन्होंने उपार्जन केंद्र पर संधारित की जा रही पंजीयों एवं अभिलेखों का अवलोकन कर उनकी जांच की।

एसडीएम श्री जैन ने उपार्जन केंद्र प्रभारी को निर्देशित किया कि क्रय की गई उपज का शीघ्रतापूर्वक परिवहन सुनिश्चित किया जाए, जिससे किसी भी प्रकार की हानि से बचा जा सके।

साथ ही, खुले में रखे गए गेहूं की बोरियों की शीघ्र तुलाई कर सुरक्षित भंडारण के निर्देश भी दिए गए।

23392 किसानों से 244335 मीट्रिक टन गेहूं का हुआ उपार्जन

शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में 15 मार्च से जिले के ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत 64988 किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य किया जा रहा है। आज दिनांक को 1911 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किया गया एवं 17333 मी.ट स्कंद का उपार्जन हुआ।

जिला आपूर्ति अधिकारी रश्मि साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले में स्थापित 171 उपार्जन केन्द्रों पर आज दिनांक तक कुल 36385 किसानों के द्वारा अपना स्लॉट बुक किया गया है जिनमें से 23392 किसानों से 244335 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। उपार्जित स्कंद्ध की भुगतान योग्य राशि के विरूद्ध 472.50 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि परिवहन व्यवस्था को भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें कुल उपार्जित स्कंद के विरुद्ध 220001 मीट्रिक टन (94.86त्न) मात्रा का परिवहन किया जा चुका है। वर्तमान में 211200 मीट्रिक टन उपज की मात्रा स्वीकृत हो चुकी है और WHR (वेयरहाउस रसीद) के अंतर्गत 164253 मीट्रिक टन संग्रहित की गई है।

गेहूं उपार्जन हेतु 30 अप्रैल तक की जा सकेगी स्लाट बुकिंग

शासन द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन 5 मई 2025 तक किया जाना है। कृषक द्वारा उपज विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग उपार्जन के अंतिम 10 दिनों को छोड़कर की जा सकेगी। स्लॉट की वैधता अवधि 7 कार्य दिवस होगी। तत्संबंध में उप संचालक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, मध्यप्रदेश ने बताया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, गेहूं उपार्जन हेतु स्लॉट बुकिंग 30 अप्रैल 2025 तक की जा सकेगी।

अक्षय तृतीया पर संभावित बाल विवाह की रोकथाम के लिए दल गठित करने का आदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने अक्षय तृतीया के अवसर पर पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में होने वाले संभावित बाल विवाह की रोकथाम के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 13(4) एवं (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला व विकासखंड स्तर पर ग्राम, वार्ड और पंचायत स्तरीय समितियों व दलों का गठन करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि गठित समितियों द्वारा यदि उनके क्षेत्राधिकार में बाल विवाह का प्रकरण पाया जाता है तो बाल विवाह करने वाले, बाल विवाह को प्रोत्साहित करने वाले जैसे बाल विवाह में सम्मिलित बाराती, विवाह स्थल गार्डन मलिक, खाना पकाने वाले रसोईया, कैटर्स, पंडित तथा पत्रिका छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस मलिक के विरुद्ध भी बाल विवाह प्रतिशत अधिनियम 2006 के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा सामूहिक विवाह आयोजन की अनुमति इस

शर्त पर जारी की जाएगी कि उक्त आयोजन में वर की आयु 21 वर्ष एवं वधू की आयु 18 वर्ष से कम ना हो। वर एवं वधू की सूची मय छायाचित्रों एवं आयु प्रमाण पत्र ना होने की स्थिति में विवाह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई, कैटर्स, धर्मगुरु, बैंड वाला, ट्रांसपोर्ट एवं समाज के मुखिया से अनुरोध किया जाए की वर एवं वधू की उम्र संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त कर परीक्षण उपरांत ही विवाह में सेवाएं प्रदान करें एवं सेवा प्रदाताओं की बैठक आयोजित की जाए।

सूचना तंत्र में शिक्षक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की सदस्य, शौर्या दल अध्यक्ष, सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मातृ सहयोगिनी समिति, सरपंच, पंच, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम वार्ड के सक्रिय नागरिक आदि हो सकते हैं। सूचना तंत्र ग्राम वार्ड में हो रहे विवाहों की जानकारी रखेंगे तथा बाल विवाह होने पर कंट्रोल रूम बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अनुभागीय अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को तत्काल सूचित करेंगे।

जिला स्तर पर ब्लॉक परियोजना स्तर पर कंट्रोल रूम का गठन किया जाए। कंट्रोल रूम में उपयोग में लाए जा रहे दूरभाष नंबर का प्रचार-प्रसार किया जाए कंट्रोल रूम में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र के बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी को सूचित किया जाए।

प्रचार-प्रसार

पुलिस थाना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन नं. 181, बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी का दूरभाष नंबर, जिला एवं परियोजना स्तर पर गठित कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, दीवार लेखन व अन्य के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए।

कलेक्टर के आदेश का नगर पालिका और पुलिस 14 दिन बाद भी नहीं करा पाई पालन

27 अवैध कॉलोनाइजरों पर होनी है एफआईआर लेकिन, भूमि माफियाओं के आगे बेबस प्रशासन!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जनता जनार्दन के साथ धोखाधड़ी करने वालों अवैध कॉलोनी नाइजरों पर प्रकरण दर्ज करवाने के लिए कलेक्टर नगर पालिका सीएमओ को पत्र भेजा था जिसको 15 दिन गुजरने के बाद भी नगर पालिका इन पर मामला दर्ज नहीं करवा पाई है या फिर कहे इन्हें कलेक्टर के आदेश की इन्हें कोई चिंता नहीं है तभी तो आवेदन देख खाना पूर्ति कर दी आगे कार्रवाई हुई या नहीं उस पर ध्यान देना भी उचित नहीं समझा वही पुलिस ने भी दस्तावेजों का बहाना बनाकर मामला दर्ज नहीं किया या फ़िर भूमाफियाओं को बचाने में लगे हुए हैं । अवैध रूप से कॉलोनीकाटने वाले आम जनता के साथ सरकार को भी चूना लगा रहे हैं। यह सब स्थानीय प्रशासन मिली भगत का नतीजा है कार्रवाई करने की जगह पर इनको उल्टा संरक्षण देने में लगी हुई जब कलेक्टर के आदेश पर ही नगर पालिका प्रशासन और पुलिस मामला दर्ज कार्रवाई नहीं कर पा रही है । जैसे ही तत्कालीन कलेक्टर रोशनसिंह ने अबैध रूप से कालोनी काटने वालों कड़ी कार्रवाई करने के संकेत दिए थे । इनमें हड़कंप मच गया था उनके जाते ही भू माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं। प्रकरण दर्ज करवाने वाला मामला भी ठंडा बस्ते में जाता हुआ नजर आ रह है। जिनके कंधों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी कलेक्टर ने सोपी है वहां आवेदन देकर भूल गए हैं। पुलिस इनके के आवेदन पर क्या

आगे कार्रवाई की या नहीं उसकी जानकारी जुटाना भी है इन्होंने जरूरी नहीं समझ रहा है। अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर मामला दर्ज नहीं करवाया चाहते हैं तभी तो बिना दस्तावेजों के कलेक्टर का पत्र लगाकर नगर पालिका के अधिकारी भूल गए पुलिस के द्वारा दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका को पत्राचार किया है उसका भी नगर पालिका से कोई जवाब पुलिस के पास नहीं पहुंचा है इस वजह से पुलिस आगे कार्रवाई करने में अपने आप को असमर्थ बता रही है । यदि पुलिस प्रशासन चाहे तो सूची के हिसाब से कार्रवाई कर सकती है लेकिन यह भी नहीं कर रहे हैं। इसका फायदा अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले उठा लूट मरी करने में लगे हुए हैं।

कलेक्टर के बदलते ही अधिकारी हुए ठंडे

लंबी मेहनत करने बाद कलेक्टर रोशन सिंह अवैध कालोनी काटने वालों पर कार्रवाई की पूरी तैयारी कर गए उसको आगे बढ़ाने जिम्मेदारी तत्कालीन कलेक्टर अंशुल गुप्ता की है। लेकिन यह इस मामले में रुचि दिखाएंगे या नहीं यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा अभी तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले जरूर खुश नजर आ रहे हैं अवैध कॉलोनी वालों की फाइल पूरी तरह से रुक गई है।

इन पर एफआईआर हो जाती पर कलेक्टर बदलते ही मामला ठंडा बस्ते डाल दिया गया है नगर पालिका परिषद के अधिकारी और पुलिस भी इसको गंभीरता से नहीं ले रही है वहीं देखना है कि कलेक्टर जनता को न्याय दिलाने के लिए अवैध रूप से कॉलोनी काटकर उनके साथ धोखाधड़ी करने वाले अवैध रूप से कॉलोनी काटने वाले पर प्रकरण दर्ज करवा पाएंगे या फिर मामले को दफा रफा हो जाएगा और भू माफिया कि तरह बल्ले बल्ले होती रहेगी।

भूमाफियाओं के आगे बेबस प्रशासन

जनता के साथ खुलेआम गोलमाल करने वाले भूमाफियाओं पर कार्रवाई करने की जगह पर प्रशासन के अधिकांश अधिकारी उनको संरक्षण देने में लगे हुए इसी वजह से अवैध कॉलोनी की संख्या डेढ़ सौ के करीब पहुंच गई है। यह स्थानीय अधिकारियों को गंभीरता से ही नहीं लेते हैं। वह शिकायतों को भी स्थानीय अधिकारी कर भाई के नाम पर औपचारिकता पूरी करतेहैं। आम आदमी की आवाज़ को हमारे संवाददाता प्रमुखता से प्रकाशित किया खबर के बाद तत्कालीन कलेक्टर रोशन सिंह ने अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर शिकंजा करते हुए एफआईआर करवाने की फाइल को आगे बढ़ाया दिया था। उनके जाते ही मामला शांत हो गया है। दोपहर मेट्रो आम जनता की आवाज इसी तरह बुलंद करता रहेगा।

इनका कहना है

बिना दस्तावेज के आवेदन पत्र नगर पालिका ने दिया है हमने दस्तावेज के लिए नगर पालिका को लिखा है जैसे ही दस्तावेज मिलेंगे हम कार्रवाई करेंगे।

-उमेश कुमार तिवारी एसडीओपी

इस मामले को मैं दिखवाता हूं आगे कार्रवाई क्यों नहीं हुई है हम करवाई करवाएंगे।

- अंशुल गुप्ता कलेक्टर

कलेक्टर गुप्ता ने रोटावेटर चलाकर नरवाई नहीं जलाने का दिया संदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले में फसल अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने के लिए चैतरफा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे है जिसमें व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ-साथ ग्राम स्तरों पर चैपालो व कार्यशालाओं का आयोजन कर नरवाई जलाने से होने वाले दूषित प्रभाव व मृदा उपज की क्षमताएं प्रभावित होती है। अतः नरवाई नहीं जलाएं के व्यापक प्रबंधों का क्रियान्वयन शासकीय विभागो के साथ-साथ किसानो, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको व ग्रामीणजनों के संयुक्त समन्वय से क्रियान्वित किया जा रहा है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने स्वंय नरवाई को जैविक खादो में परिवर्तित करने हेतु रोटावेटर चलाकर नरवाई नहीं जलाने का संदेश दिया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने विदिशा तहसील के ग्राम वन में प्रगतिशील कृषक के खेत में पहुंचकर गेंहू की फसल की कटाई के उपरांत खेतों में खडी नरवाई को देखा और खेतो में आग नहीं लगाने का संदेश किसानो से संवाद के दौरान दिया है। कलेक्टर ने ट्रेक्टर में सवार खेत में ट्रेक्टर चलाया और पीछे लगे रोटावेटर से नरवाई को हटाने का कार्य तकनीकी रूप से किया है। प्रगतिशील कृषक श्री सुजीत देवलिया भी ट्रेक्टर में सवार हुए। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा नरवाई मिट्टी में मिलने से होने वाले फायदे को रेखांकित किया।

नरवाई जलने वालों पर 1410500 अर्थ दंड अधिरोपित किया

विदिशा। विदिशा जिले में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में सख्त कार्रवाईयां की जा रही हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक जिले की 12 तहसीलों में कुल 328 के विरुद्ध अभियान चलाकर प्रकरण दर्ज करते हुए कुल राशि 1410500 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसके अलावा विदिशा ग्रामीण तहसील में दो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही भी की गई है। जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध की गई कार्रवाइयों में तहसीलदार जानकारी अनुसार विदिशा नगरीय तहसील में 39 प्रकरण दर्ज हुए हैं जिनमें अर्थ दंड 217500, विदिशा ग्रामीण तहसील में 27 प्रकरण दर्ज हुए हैं जिनमें अर्थ दंड 67500, गंजबासौदा तहसील में 18 प्रकरण दर्ज हुए हैं।

थाना लटेरी के अपराधी पर नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना लटेरी जिला विदिशा में दर्ज अपराध के फरार आरोपियों की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए दो-दो हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना लटेरी में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 10/2025 के फरार आरोपी सोनू पुत्र मांगीलाल गुर्जर उम्र 32 साल, जसवंत पुत्र आशाराम गुर्जर उम्र 41 साल, आशाराम पुत्र रामसिंह गुर्जर उम्र 75 साल, मांगीलाल पुत्र ओमकार गुर्जर उम्र 58 साल, विक्रम पुत्र आशाराम गुर्जर उम्र 48 निवासीगण दलपांगडा थाना लटेरी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए दो-दो हजार रूपए (प्रत्येक पर) नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

एसडीएम के निर्देश पर एचडीएफसी बैंक के आगे से हटा ट्रांसफार्मर

ट्रांसफार्मर से कई बार हो चुकी हैं दुर्घटनाएं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विगत महीने पहले विधायक उमाकांत शर्मा ने मंडी बाईपास रोड का जायजा लिया था उस समय एचडीएफसी बैंक सामने नाले में रखे बिजली ट्रांसफार्मर को यह से दूसरी जगह शिफ्ट करवाने के लिए उन्होंने एसडीएम हर्षल चौधरी को निर्देश दिए थे। इसके बाद एसडीएम ने बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों को ट्रांसफर यहां से बदलवाने के लिए पत्र लिखा पर काफी प्रयासों बाद एचडीएफसी बैंक सामने से बिजली वितरण

कंपनी ने गुरुवार को बिजली ट्रांसफार्मर को यहां से हटकर दूसरी जगह पर शिफ्ट कर दिया यहां पर ट्रांसफार्मर होने के कारण कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी थी बड़ी घटना को ट्रांसफार्मर दावत दे रहा था नाले का निर्माण भी इसकी वजह से नहीं हो पा रहा था।

एसडीएम के निरीक्षण में खुली थी पोल

फटकार के बाद राजीव गांधी जन चिकित्सालय प्रबंधन ने फटे हुए गद्दों को बदलवाया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय का सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने औचक निरीक्षण किया था उनके समने अस्पताल के वार्डों में फटे हुए गद्दे और चादर गायब उसके बाद एसडीएम ने जिम्मेदारों को फटकार लगाते व्यवस्था तत्काल ठीक करने के निर्देश दिए थे।एसडीएम ने बीएमओ विकास सिंह बघेल को फटे हुए गद्दे बदलवाने और इन पर चादर की व्यवस्था नहीं होने पर नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण के साथ नए गद्दे चादर की व्यवस्था करने का अल्टीमेटम दिया था उसका परिणाम आ गया बीएमओ ने

फटे हुए गद्दे को बदलवा दिया चादर डाले हुए थे इससे पहले इनका कोई आता पता नहीं था फटे हुए गदो से ही काम चलाया जा रहा था मरीजों में इन्फेक्शन फैलने का खतरा बना हुआ था अस्पताल के जिम्मेदारों इनकी कोई चिंता नहीं थी साफ सफाई से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को भी ठीक करने के निर्देश दिए थे। हमारे संवाददाता एसडीएम की जांच में मिली लापरवाहियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया था इसके बाद अस्पताल के अंदर की तस्वीर में परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

कायरतापूर्ण हमला कर निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतारा

पहलगाम आतंकी हमले में मृत आत्माओं को थोक अनाज तिलहन संघ ने दी श्रद्धांजलि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ ने पहलगाम हमले के विरोध में मंडी में नीलामी 15 मिनिट देर से प्रारंभ की ,पहलगाम में पाकिस्तान समर्थक आतंकवादियों द्वारा कायरतापूर्ण हमला कर निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया और अनेक को घायल कर दिया ,पूरे देश में शोक की लहर हे,हम व्यापारी भी बहुत दुःखी और रोष में हें ।व्यापारियों ने दो मिनट का मौन रखकर हमले में शहीद लोगो को श्रद्धांजलि दी , राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से माँग की इस घटना में शामिल लोगो पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो जिससे की ऐसी घटना

की कभी भविष्य में पुनरावृत्ति न हो पाए । इस दौरान व्यापारी समीर भार्गव, राजेश जैन, गगन तारण ,मोंटू जैन टिंगू साहू ,शैलू जैन,रामू राठौड़ ,उमेश गोयल , लवी साहू,गोपेश भार्गव, नेतराम रघुवंशी ,मिथिलेश महाराज सहित में मंडी के कर्मचारी व किसान मौजूद थे।

कलेक्टर ने किया कार्यालयों का औचक निरीक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने गुरूवार को पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने किसी को भी बिना सूचना दिए सवा दस बजे कार्यालयो में

पहुंचकर अधिकारी, कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया। मौके पर अनुपस्थितों की हाजिरी कॉलम में क्रास का चिन्ह मार्क करते हुए अनुपस्थितों की सूची संधारित कर उन्हें शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने पुरानी कलेक्ट्रेट में संचालित जिला शिक्षा केन्द्र, शहरी विकास अभिकरण, उद्यानिकी, मत्स्य, ओबीसी कार्यालय के अलावा भण्डार कक्षो में पहुंचकर निरीक्षण किया है। उन्होंने कार्यालयो के निरीक्षण के दौरान साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए वहीं संधारित विभिन्न प्रकार की पंजियों की जानकारी प्राप्त की वहीं विभागीय हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रदर्शन हेतु दीवारो पर जानकारी अंकित कराने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर से चयनित होने के उपरांत प्रशांत ने सौजन्य भेंट की

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता से गुरूवार को यूपीएससी में चयनित प्रशांत धाकड़ ने चैम्बर में पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने श्री धाकड को बुके देकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। गौरतलब हो कि विदिशा जिले के शमशाबाद तहसील के ग्राम पाली निवासी प्रशांत धाकड़ ने पहली ही कोशिश में यूपीएससी परीक्षा पास की और 596वीं रैंक हासिल की है।

आईपीएल 2025 | 6 गेंद, 1 रन और 2 शिकार, बेंगलुरु की बम-बम जीत

जोश हेजलवुड ने महज एक ओवर में फेरा राजस्थान पर पानी

बेंगलुरु, एजेंसी

आईपीएल जैसे हाई-वोल्टेज टूर्नामेंट में एक ओवर भी मैच की किस्मत बदल सकता है, यह बात जोश हेजलवुड ने एक बार फिर साबित कर दी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 24 अप्रैल को हुए मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इस तेज गेंदबाज ने ऐसा खेला किया कि राजस्थान के सारे मंसूबे धरे के धरे रह गए। जोश ने इस मुकाबले में 33 रन देकर 4 विकेट झटके और वो अपने इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे। वहीं उनके द्वारा फेंका गया 19वां ओवर निर्णायक रहा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले खेलते हुए इस मुकाबले में 205/5 का स्कोर बनाया। विराट कोहली ने 70 तो देवदत्त पडिक्कल ने 50 रनों की शानदार पारी खेली। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की टीम एक समय बेहद मजबूत लग रही थी, लेकिन वो 194/9 रन ही बना पाई। इस तरह आरसीबी को 11 रनों से जीत मिली।

जोश हेजलवुड का वो ओवर जहां पलटा मैच

आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार ने पारी का 18वां ओवर फेंका। जहां भुवनेश्वर कुमार की क्रमके शुभम दुबे और ध्रुव जुरेल ने धुनाई कर दी। इस ओवर में 22 रन आए। इसके बाद राजस्थान को जीत के लिए 12 गेंदों पर 18 रन चाहिए थे। इसके बाद आरओबी के कप्तान रजत पाटीदार ने 19वें ओवर में गेंद जोश हेजलवुड को थमा दी। पहली गेंद जोश ने दुबे को फेंकी जहां एक रन आया। इसके बाद दूसरी गेंद पर स्ट्राइक पर जुरेल थे, यह गेंद खाली गई।

शुभम के आउट होने के साथ ही राजस्थान की जीत की उम्मीदें धूमिल हो गईं

तीसरी गेंद पर जुरेल (34 बॉल 47 रन) जोश की गेंद पर विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच दे बैठे। जुरेल के आउट होने के बाद राजस्थान को छठा झटका लगा। इसके बाद जोफा आर्चर आए जो पहली ही गेंद पर आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार को कैच दे बैठे। इस तरह जोश ने 4 गेंदों में खेला कर दिया। 19वें ओवर की पांचवीं और छठी गेंद वानिदु हसरंगा ने खेली, ये दोनों गेंद खाली गईं। इस तरह जोश के इस ओवर में कुल 6 गेंद हुईं, महज 1 रन आया और 2 शिकार हुए। कुल मिलाकर इसी ओवर से आरसीबी की सांस में सांस आई। मुकाबले का आखिरी ओवर यश दयाल ने फेंका, जिसमें राजस्थान रॉयल्स को 17 रनों की आवश्यकता थी। उस ओवर की पहली ही गेंद पर दयाल ने शुभम दुबे (12) को आउट किया। शुभम के आउट होने के साथ ही राजस्थान की जीत की उम्मीदें धूमिल हो गईं। बाकी की पांच गेंदों पर कुल मिलाकर 5 रन बना और राजस्थान का एक बल्लेबाज रन आउट भी हुआ।

पीएसएल में पाकिस्तान गेंदबाज इफ्तिखार पर लगा चकिंग का आरोप

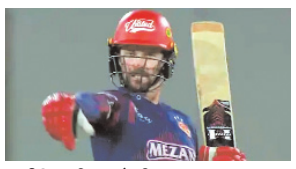

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग में न्यूजीलैंड के क्रिकेटर कॉलिन मुनरो ने पाकिस्तानी ऑफ स्पिनर इफ्तिखार अहमद पर चकिंग का आरोप लगाया। बीते दिनों पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड और मुल्तान सुल्तांस के बीच मैच था। कॉलिन मुनरो इस्लामाबाद यूनाइटेड की ओर से खेल रहे हैं। वहीं इफ्तिखार अहमद मुल्तान सुल्तांस के टीम में शामिल हैं। मुनरो ने एक्शन दिखाकर विरोध किया मुल्तान सुल्तांस ने पहले बल्लेबाज करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड को 169 का रन का टारगेट किया। इस्लमाबाद यूनाइटेड की पारी के 10वें ओवर में इफ्तिखार अहमद ने तेज गति से यॉर्कर लेंथ पर गेंद डाली, जिस पर मुनरो ने डिफेंस किया। गेंद पूरी होने के बाद मुनरो ने इफ्तिखार की तरफ हाथ से इशारा करके बताया कि यह चकिंग थी। मुनरो ने एक्शन दिखाते समय अपनी कोहनी भी मोड़ी।

अहमद और मुनरो के बीच हुई बहस

ओवर खत्म होने के बाद इफ्तिखार अहमद और कॉलिन मुनरो के बीच हुई। दरअसल इफ्तिखार अहमद को कॉलिन का विरोध करना अच्छा नहीं लगा, वे गुस्सा हो गए और अंपायर के पास चले गए। इस दौरान कई खिलाड़ी अहमद के पाए गए। इसी बीच अहमद और मुनरो के बीच झड़प हो गई। अंपायर्स ने खिलाड़ि?यों को दूर करके स्थिति नियंत्रित की। इस्लमाबाद यूनाइटेड ने इस मैच को 7 विकेट से जीत लिया। 169 रन का पीछा करने उतरी इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 17 गेंद शेष रहते 3 विकेट पर लक्ष्य को हासिल कर लिया। ओपनर एंड्रीज गौस के छह चौकों और पांच छक्कों सहित नाबाद 80 रनों की पारी शामिल थी।

आईपीएल में आज सीएसके बनाम एसआरएच

हैदराबाद चेपॉक में चेन्नई के खिलाफ कभी नहीं जीती

दोनों के लिए करो या मरो वाला मुकाबला

चेन्नई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। दोनों ही टीमों को अपने पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई को मुंबई ने 9 विकेट से, तो हैदराबाद को मुंबई ने 7 विकेट से पिछले मुकाबले में शिकस्त दी है। आज दोनों टीमों के लिए करो या मरो वाला मैच है। इस मैच में जो भी टीम हारेगी उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। सीएसके अब तक 8 में से 6 मैच हारकर 4 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में आखिरी पायदान पर है। वहीं, एसआरएच 8 में से 6 मैच हारकर चार अंक के साथ 9वें पायदान पर है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम बाहर होती है।

हेड टु हेड में चेन्नई आगे

हेड टु हेड में हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई आगे है। चेन्नई और हैदराबाद के बीच अब तक कुल 22 आईपीएल मुकाबले खेले गए। 16 में चेन्नई और 6 में हैदराबाद को जीत मिली। दोनों टीमें चेन्नई में 5 मैच खेली हैं और सभी में घरेलू टीम सीएसके को जीत मिली।

शिवम दुबे सीएसके के टॉप स्कोरर

सीएसके टीम की बैटिंग इस सीजन पूरी तरह फेल रही है। टीम का कोई भी खिलाड़ी 8 मैच खेले जाने के बाद भी 250 रन के आकड़ें तक नहीं पहुंच सका है। शिवम दूबे फिलहाल टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 8 मैचों में 230 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर रचिन रवींद्र हैं। रचिन ने 8 मैचों में 191 रन बनाए हैं। वहीं, स्पिनर नूर अहमद टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। नूर ने 8 मैचों में 12 विकेट लिए हैं। दूसरे नंबर पर खलील अहमद है। खलील ने इतने ही मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

हर्षल एसआरएच के टॉप विकेट टेकर

हेनरिक क्लासन एसआरएच के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 8 मैचों में 281 रन बनाए हैं। उनके अलावा ओपनर्स ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा ने शानदार खेल दिखाया है। हेड ने 8 मैच 242 रन बनाए है। अभिषेक शर्मा ने 8 मैच में 240 रन बनाए हैं। टीम के लिए बैटर ईशान किशन की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। बॉलर्स में हर्षल पटेल हैदराबाद के लिए टॉप विकेट टेकर है। डेथ ओवर स्पेशलिस्ट हर्षल ने 7 मैच खेले हैं और 9 विकेट निकाले है। पिच स्पिनर्स के लिए मददगार साबित होती आई है। यहां बैटिंग करना थोड़ा मुश्किल है। यहां अब तक 89 आईपीएल मैच खेले गए। 51 मैच पहले बैटिंग करने वाली और 38 मैच चेज करने वाली टीमों ने जीते। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 246/5 है, जो होम टीम चेन्नई सुपरकिंग्स ने 2010 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाया था।

वेदर कंडीशन 25 अप्रैल को

चेन्नई में काफी गर्मी रहेगी। इस दिन बारिश की बिल्कुल भी संभावना नहीं है। तापमान 28 डिग्री से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। वहीं हवा 17 किलो मीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी।

प्लेइंग-11चेन्नई सुपर किंग्स

एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), शेख रशीद, रचिन रवींद्र, आयुष म्हात्रे, विजय शंकर, रवींद्र जडेजा, जैमी ओवर्टन, खलील अहमद, नूर अहमद, मथीश पथिराना, शिवम दुबे, आर अश्विन।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी, ईशान मलिंगा, मोहम्मद शमी।

पाक क्रिकेटरों का दोहरा चरित्र!

विश्व कप में फलस्तीन का किया था समर्थन, पहलगाम हमले पर कोई पोस्ट नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पहलगाम में आतंकी हमले की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। हर कोई आतंकियों की इस कायराना हरकत पर आक्रोश व्यक्त कर रहा है। इस हमले में 26 मासूमों की जान चली गई। इनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल रहे। हालांकि, 2023 वनडे विश्व कप के दौरान फलस्तीन के लिए समर्थन दिखाने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से कोई पोस्ट नहीं आया है। उन्होंने यहां आतंकी हमले की कोई निंदा नहीं की है। इससे पाकिस्तानी क्रिकेटरों का दोहरा चरित्र सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आतंकियों के पाकिस्तानी होने और वहीं से ट्रेनिंग लेने की बात भी सामने आई है, लेकिन पीड़ितों को लेकर पाकिस्तानी क्रिकेटर्स ने कोई पोस्ट नहीं किया है।

वनडे विश्व कप में किया था पोस्ट

बात साल 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप की है। विश्व कप के बीच में ही आईसीसी द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने फलस्तीन के समर्थन में पोस्ट किए थे। पाकिस्तान के शादाब खान, हारिस रऊफ, मोहम्मद नवाज, सलमान अगा और इफ्तिखार अहमद जैसे बड़े खिलाड़ियों ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) के साथ-साथ इंस्टाग्राम अकाउंट से फलस्तीन के झंडे का फोटो शेयर किया था। इतना ही नहीं ऑलराउंडर इमाद वसीम, पेस बॉलिंग ऑलराउंडर फहीम अशरफ, संन्यास ले चुके अजहर अली और उसामा मीर ने भी फलस्तीन का झंडा शेयर किया था।

रिजवान ने भी किया था गाजा का समर्थन

वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज और वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान ने श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान की जीत और अपने शतक को गाजा को समर्पित किया था। श्रीलंका के खिलाफ मैच में रिजवान ने शतक जड़ा था। उन्होंने नाबाद 131 रन की पारी खेली थी। इस पारी के बाद रिजवान ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- यह जीत गाजा में हमारे भाइयों और बहनों के लिए था। जीत में योगदान देकर खुश हूं।

नारे लगाने या पोस्टर्स पर थी पाबंदी

वनडे विश्व कप 2023 के दौरान कई मौकों पर इस्राइल-हमास युद्ध से जुड़े प्लेकार्ड और पोस्टर्स को मैदान में पकड़ा गया था। आईसीसी ने इस पर रोक लगाई थी। सिर्फ प्लेकार्ड ही नहीं, इस्राइल या फलस्तीन के समर्थन में किसी भी तरीके के नारे लगाने पर पाबंदी लगाई गई थी। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध में हजारों लोगों की मौत हुई थी। इस युद्ध के दौरान गाजा के अल-अहली अस्पताल में विस्फोट हुआ था, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। इस हमले का आरोप हमास और इस्राइल एक दूसरे पर मढ़ते दिखे थे। हालांकि, फलस्तीन का समर्थन करने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटरों का अब दोहरा चरित्र सामने आया और उनके तथाकथित मानव मूल्यों को लेकर बयानों का भी पर्दाफाश हो गया है।

विराट कोहली टी20 में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज

बंगलुरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अर्धशतकीय पारी खेलकर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। वह टी20 में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इसके अलावा कोहली ओपनिंग करते हुए इस प्रारूप में 50 से ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए।0 बंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट कोहली का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 32 गेंदों में मौजूदा सत्र का अपना पांचवां पचासा पूरा किया। यह उनके आईपीएल करियर का 60वां अर्धशतक भी है। इसी के साथ किंग कोहली ने बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

पहलगाम अटैक ने तोड़ा हानिया आमिर का सपना बिगड़ गया पीआर गेम

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। देशभर से सेलेब्स और लोग इस पर अपना रोष जता रहे हैं। पाकिस्तान की आड़ में पल रहे आतंकियों ने कई निर्दोष लोगों की जान ली, जिसकी गाज फिल्मों और उनसे जुड़े आर्टिस्टों पर भी गिर रही है। उरी हमले के बाद से ही पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में बैन किया जा चुका था। लेकिन वक्त के साथ धीरे-धीरे ये सख्ती थोड़ी नर्म पड़ती जा रही थी। हाल ही में फवाद खान और वाणी कपूर की विदेश में शूट हुई फिल्म अबीर गुलाल भी रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब वो टलती दिख रही है।

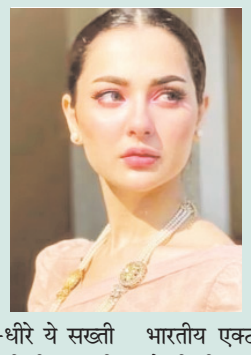

मगर ऐसा नहीं है कि इसका असर महज अबीर गुलाल पर पड़ा है, एक और पाकिस्तानी एक्ट्रेस हैं, जिनका पीआर गेम। पहलगाम में हुए इस हमले ने बिगाड़ दिया है। वो हैं- हानिया आमिर।

बॉलीवुड पहुंचने के लिए भिड़ाए तिकड़म- हानिया भारत में काफी पॉपुलैरिटी गेन कर चुकी थीं। आए दिन उनकी चर्चा होती रहती थी। इसकी वजह न सिर्फ रैपर बादशाह से लिंक अप थी, बल्कि उन्होंने कुछ समय पहले वरुण धवन के साथ फोटोशूट भी कराया था। साथ ही सोशल मीडिया पर कई और भारतीय एक्टर्स के साथ उनकी दोस्ती की झलक भी दिखीं। कभी वो भारतीय परंपरा के मुताबिक बिंदी लगाकर अपनी तस्वीरें भी शेयर करती दिखीं। तो वहीं अक्सर बॉलीवुड गानों पर डांस करते हुए रील्स भी शेयर किए। लेकिन अब, पहलगाम हमले के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया है।

फवाद खान की अबीर गुलाल पर लगी रोक पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़ा एक्शन

पाक एक्टर फवाद खान स्टारर फिल्म अबीर गुलाल पर पहलगाम के दर्द की गाज गिर गई है। पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म अबीर गुलाल को भारत में रिलीज की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बैन हुई फवाद की फिल्म

ये फैसला ऐसे समय पर आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं, खासकर कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद, जिसने देश में रोष और आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। इस बैन को लेकर मंत्रालय की ओर से आधिकारिक बयान अभी नहीं आया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया है।

यूट्यूब से हटाया गया गाना

आतंकी हमले के बाद से ही लोगों के जहन में गुस्सा भर गया था। सोशल मीडिया पर लगातार लोग फिल्म को बैन करने की मांग कर रहे थे। मालूम हो कि फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि मेकर्स ने विरोध की बढ़ती आंच को देखते हुए पहले ही फिल्म की रिलीज को टाल दिया था। लेकिन अब फिल्म को पूरी तरह से बैन किए जाने का फैसला लिया गया है। हाल ही में ए रिचर्स लेन्स एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल से फिल्म का रोमांटिक गाना ईश्क भी हटा लिया गया। वहीं चैनल पर मौजूद फिल्म और गाने के टीजर के कमेंट सेक्शन तक को बंद कर दिया गया है।

फवाद ने जताया था दुख

हाल ही में फवाद ने एक पोस्ट शेयर कर हमले पर दुख जताया था। उन्होंने लिखा था- पहलगाम में हुए जघन्य हमले की न्यूज सुनकर बहुत दुख हुआ। इस भयावह घटना के पीड़ितों के साथ हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं हैं। इस मुश्किल वक्त में उनके परिवारों को हिम्मत मिलने की दुआ करते हैं।

भारत में बैन हैं पाक एक्टर्स

बता दें, भारत में 2016 में हुए उरी अटैक के बाद से ही पाक कलाकारों पर बैन लगा दिया गया था। सालों बाद फवाद अबीर गुलाल से कमबैक करने वाले थे। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर लीड रोल में है। हालांकि फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से विदेश में हुई है। बावजूद इसके, फिल्म का टीजर जारी होने के बाद से ही इसे लेकर विरोध किया जा रहा था। फिल्म को रिलीज को रोकने की मांग की गई थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने चेतावनी तक दी थी कि अगर फिल्म को रिलीज किया गया तो किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

बॉलीवुड की खास पसंद रहा है पहलगाम

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारतवासियों को हिलाकर रख दिया है। जाहिर है कि इस घटना को सालों तक याद रखा जाएगा। कश्मीर वो जगह है, जिसे धरती पर स्वर्ग कहा गया है। इसकी खूबसूरती और राजनैतिक इतिहास हमेशा चर्चा में रहते हैं। बॉलीवुड की फिल्मों में भी इन्हीं चीजों को हमने देखा है। कई फिल्मों को कश्मीर के सुंदर वादियों को दिखाया गया है। गुलमर्ग और डल झील के अलावा पहलगाम भी वो जगह रही है, जहां अलग-अलग बॉलीवुड फिल्में शूट हुई हैं।सलमान खान की फिल्म ।बजरंगी भाईजान। की शूटिंग कश्मीर के पहलगाम की वादियों में हुई थी। पहलगाम की फेमस बेताब वैली और बैसरन मैडो में फिल्म के इमोशनल क्लाइमैक्स को फिल्माया गया था। बैसरन मैडो को मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से भी जाना जाता है।इतना ही नहीं, बजरंगी भाईजान में एक कव्वाली सॉन्ग भी है, जिसका नाम भर दो झोली मेरी है। इस गाने में सिंगर अदनान सामी को देखा गया था। इस दमदार कव्वाली को पहलगाम हिल स्टेशन के ऐशमुकाम गांव में फिल्माया गया था।

कलियासोत के पास जंगल धधका आग से आधी रात अफरातफरी

भोपाल। राजधानी से सटे हुए कलियासोत डैम के पास और वाल्मी पहाड़ी में बीती देर शाम आग लगने से करीब 13 एकड़ की पहाड़ी में पेड पौधों को नुकसान पहुंचा है। आग से काफी देर तक हडकंप रहा। आग की लपटें वाल्मी स्थित सरकारी आवास तक भी पहुंच गई। इस कारण 8 घरों को एहतियात के तौर पर खाली कराना पड़ा। आधी रात के बाद तक आग 90 प्रतिशत तक काबू में आ गई। कुछ जगहों पर लपटें उठती रही। जिसे बुझाने के लिए नगर निगम की दमकलें अब तक लगी हुई है। बमुश्किल काबू में आई आग,अफसर व नेता रहे मौजूद आग लगने के बाद विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, डीएफओ लोकप्रिय भारती, नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, एसडीएम रविशंकर राय भी पहुंचे। पहाड़ी पर आग की लपटें और धुआं उठता देख रहागीरों ने फायर कंट्रोल रूम में सूचना दी। इसके बाद दमकलें मौके पर पहुंची और आग को काबू पाने में जुट गई। हालांकि हवा की वजह से आग फैलती है। पेड़-पौधे, झाड़ियां और उबड़-खाबड़ रास्ता होने की वजह से आग जल्दी काबू में नहीं आई। आग बुझाने के दौरान कुछ कर्मचारियों के मामूली रूप से झुलसने की भी खबर है। डीएफओ भारती आग बुझाने के लिए खुद जंगल में कर्मचारियों के साथ उतर गए। उन्होंने बताया कि आग काबू में आ गई है। जिन जगहों पर लगी है, उसे भी बुझा रहे हैं। बाघ मित्र राशिद नूर का कहना है कि पूरा इलाका 13 एकड़ में फैला है। आसपास रहने वाले लोग भी आग बुझाने में जुटे रहे। जिस जगह पर आग लगी वहां पर टाइगर का मूवमेंट भी रहता है। कलियासोत नदी किनारे ही कई बार टाइगर का मूवमेंट भी देखा जा चुका है। इसलिए आग पर जल्दी काबू पाना जरूरी है। उल्लेखनीय है गत दिवस भोपाल में भेल (भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) के गेट नंबर 9 के पास कैंपस के अंदर वेस्ट मटेरियल में आग लग गई थी जो करीब 11 घंटे बाद काबू में आई। हालांकि काफी देर तक कहीं-कहीं धुआं उठते दिखता रहा।

तीर्थयात्रा से लौटे बैंककर्मी से जबरन विवाद कर फोन *पार*

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तीर्थयात्रा से भोपाल लौटे एक बैंक कर्मचारी के साथ युवक-युवती और ऑटो चालक ने जबरन विवाद किया और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने बुधवार सुबह हुई।रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने की घटना युवक-युवती हिरासत में पुलिस ने इस मामले में युवक-युवती को हिरासत में लिया है, जबकि आटो चालक की तलाश की जा रही है। प्रांरभिक पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह बनाकर बाहर से आने वाले यात्रियों को अपना निशाना बनाते थे। मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार मूलत- बैतूल निवासी सौरभ पटवा (28) बाड़ी बरेली स्थित एक निजी बैंक में काम करते हैं। पिछले दिनों वह अपने परिवार के साथ वैष्णो देवी दर्शन करने गए थे। बुधवार सुबह वह रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरे। आईएसबीटी से उन्हें बस पकडऩी थी। स्टेशन से बाहर आते ही सवारी बिठाने वाले ऑटो चालक उनके साथ बातचीत करने लगे। इसी दौरान उनका एक युवक के साथ विवाद हो गया। इस पर एक युवती आगे आई और उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी देने लगी। इस दौरान युवक और युवती ने उन्हें ऑटो में जबरन बैठरने का प्रयास किया। इस झूमाझटकी के दौरान उनका 18 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन गायब हो गया। बाद में तीनों उन्हें धमकी देते हुए भाग निकले। उसके बाद सौरभ ने गोविंदपुरा थाने पहुंचकर अज्ञात महिला और उसके साथियों के खिलाफ गाली-गलौज कर धमकी देने और मोबाइल चोरी करने का मामला दर्ज करवाया। कुछ समय बाद वह काम से एमपी नगर पहुंचे तो युवक और युवती दिखाई दिए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि यह एक ऐसा गिरोह है जो स्टेशन के आसपास घूमता रहता है और बाहर से आने वाले यात्रियों को अपना निशाना बनाता है। फिलहाल हिरासत में आए दोनों संदेहियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने दर्ज किया दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में केस

कॉलेज छात्राओं से दुष्कर्म, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल व धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

नाबालिग सहित चार पीड़िताओं ने की शिकायत, मामला संवेदनशील, अन्य पीड़िताएं भी पहुंच सकती हैं शिकायत कराने

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में निजी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म, वीडियो बनाकर ब्लैमेल करने का मामला सामने आया है। आरोपी समुदाय विशेष के हैं और वह दुष्कर्म के बाद ब्लैकमेल कर रहे थे। आरोपियों ने जब छात्राओं पर धर्म परिवर्तन का का दबाव बनाया तो छात्राओं ने पुलिस को शिकायत की। शिकायत करने वाली चार छात्राओं में एक नाबालिग भी है। लिहाजा पाक्सो एक्ट की धारा भी लगाई गई है। बागसेवनिया थाना पुलिस ने छात्राओं की शिकायत पर दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

सभी प्रकरण संबंधित थाना पुलिस को सौंप दिए गए है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने बताया कि अलग-अलग एसआईटी गठित कर प्रकरणों की जांच की जा रही है। अभी तक जिन पांच आरोपियों के नाम सामने आए हैं उनमें दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। अन्य की तलाश की जा रही है। मामला संवेदनशील होने के कारण पुलिस मीडिया से संपर्क नहीं कर रही है।

पुलिस के अनुसार बागसेवनिया इलाके में रहने वाली छात्राओं ने बागसेवनिया थाने पहुंचकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह रायसेन रोड स्थित निजी कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। कॉलेज में साथ पढ़ाई करने वाले छात्रों से उनकी दोस्ती हो गई। सभी छात्र समुदाय विशेष के है। दोस्ती के बाद छात्रों ने उन्हें शादी का प्रलोभन दिया और उनका दैहिक शोषण करना शुरू कर दिया। छात्रों ने उनके वीडियो भी बनाए। इसी वीडियो के माध्यम से वह उन्हें ब्लैकमेल करने लगे।

सहेलियों से दोस्ती का दबाव

आरोपी छात्र प्रदेश के बाहर के रहने वाले हैं। पीड़िताओं का आरोप है कि आरोपियों ने वीडियो के बाद दबाव बनाना शुरू कर दिया। वह कहने लगे कि अपनी सहेलियों से हमारे अन्य दोस्तों की दोस्ती कराओं। इसके बाद पूरी चेन बनकर छात्राओं से दोस्ती और उनके रिलेशन बनाने लगे। दैहिक शोषण के बाद अब आरोपी छात्रों द्वारा शादी के लिए शर्त रखी गई है कि यदि हमारा धर्म अपना लोंगे तो शादी कर लेंगे।

दो आरोपी गिरफ्तार अन्य की तलाश जारी

इस संवेदनशील मामले की एफआईआर बागसेवनिया थाने में शून्य पर दर्ज की गई है। अब केस डायरी संबंधित थानों को भेजी जा रही है। बताया जाता है कि दो आरोपी छात्र अशोका गार्डन के रहने वाले हैं और अपने किराए के कमरे पर छात्राओं को ले जाकर उनका दैहिक शोषण कर रहे थे। इसके अलावा एक प्रकरण जहांगीराबाद पुलिस को सौंपा गया है। इसी प्रकार चौथे प्रकरण में काउंसलिंग की जा रही है। इसकी शिकायत ऐशबाग थाने में दर्ज कराई जाएगी। अब तक पांच आरोपियों के नाम इस पूरे प्रकरण में सामने आए हैं।

संवेदनशील मामले को छिपाने का भरपूर प्रयास

अभी तक चार छात्राओं ने शिकायत की है। पूरे प्रकरण में बड़े गिरोह के होने की आशंका है। यह भी बताया जा रहा है कि प्रकरण दर्ज होने के बाद और भी पीड़ित छात्राएं शिकायत दर्ज कराने पहुंच सकती है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस पूरी एहतियात बरत रही है। लिहाजा इतना बड़ी घटना होने के बाद भी पुलिस के अधिकतर आलाधिकारी और थाना प्रभारी चुप्पी साधकर बैठे हैं।

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित वाइट हाउस के पास बुधवार रात अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे के बाद बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार दौलत राजपूत पिता पदम राजपूत (62) नजीराबाद इलाके के रहने वाले थे और आटो चलाते थे। इन दिनों उनका बेटा आटो चलाता है। दौलत राजपूत ने ईटखेड़ी गुलफाम गार्डन के सामने गुलशन कॉलोनी में मकान बना लिया है। उक्त मकान किराए से चलता है और उसमें दौलत का परिवार भी रहता है। बुधवार रात दौलत राजपूत नजीराबाद से ईटखेड़ी लौटे थे।

वाइट हाउस के पास वे सड़क पार कर रहे थे, तभी रात करीब 9 बजे के आसपास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उन्हें सिर और शरीर में गंभीर चोट आई थी।

उन्हें अस्पताल ले गया, वहां गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी दुर्जन सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला कि उन्हें किसी बाइक चालक ने टक्कर मारी है। पुलिस बाइक चालक की तलाश कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी थाना क्षेत्र के गांव चांदपुर में बुधवार शाम एक महिला घर में बेहोश हो गई। उसकी ननद उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। महिला की मौत के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

थाना प्रभारी दुर्जन सिंह ने बताया कि शारदा अहिरवार पति दिनेश अहिरवार (25) मूलत- गांव धमोदा, जिला विदिशा की रहने वाली थी। करीब सात साल पूर्व उसकी शादी दिनेश से हुई थी। दिनेश प्राइवेट काम करता है और बुधवार को काम पर गया था। शाम करीब साढ़े 7 बजे शारदा की ननद कांति बाई उसे बेहोश होने के कारण अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद शारदा को मृत घोषित कर दिया। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसडीओपी को सौंपी गई है।

करंट से हुई मौत के मामले में दो लोगों पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया पुलिस ने करंट लगने से हुई एक युवक की मौत के मामले में दो लोगों के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक काम कराने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार किशनलाल अहिरवार पुत्र चैनसिंह अहिरवार (41) ग्राम पड़रिया जाट थाना बिलखिरिया में रहता था। दो महीने पहले 25 फरवरी की रात को वह खेत पर लगे बिजली के खंभे पर चढ़कर लाईट जोड़ रहा था, तभी उसे बिजली का करंट लग गया था। परिजनों ने उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया था। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि घटना के दौरान घनश्याम अहिरवार और रामस्वरूप गुर्जर ने किशनलाल को बिना किसी सुरक्षा उपकरण दस्ताने, हेलमेट, रस्सी आदि के सरकारी बिजली के खंभे पर लाइट जोडऩे के लिये चढ़ा दिया था, जिससे उसे करंट लगा और वह जमीन पर गिर गया था।

खड़ी गाड़ी में टकराने से हुई चालक की मौत, जांच के बाद वाहन चालक पर केस दर्ज

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने सड़क किनारे बगैर इंडीकेटर के खड़ी टाटा 407 के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस वाहन से टकराकर आयशर चालक की मौत हुई थी। जानकारी के अनुसार ऋषीराज पुत्र हनुमंत सिंह (31) मंडीदीप जिला रायसेन में रहता था और एक निजी कंपनी का आयशर ट्रक चलाता था। बीती 15 अप्रैल को वह कंपनी के कर्मचारी सुनील सिंह के साथ कोकता स्थित आरटीओ कार्यालय से वाहन का फिटनेस कराने के बाद मंडीदीप वापस लौट रहा था। दोपहर करीब तीन बजे ऋषिराज वाहन लेकर समरधा ब्रिज टर्निंग पर पहुंचा। तभी बगैर इंडीकेटर के सड़क पर खड़े टाटा 407 से उसका वाहन टकरा गया।

मेट्रो एंकर दो लैपटाप मोबाइल सहित डेढ़ लाख का सामान ले उड़ा चोर

सफर के दौरान युवती का बैग चोरी, अन्य ट्रेनों में भी वारदातें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। यात्रियों का मोबाइल और पर्स चोरी होने की बात तो आम हो गई है। अब गिरोह ट्रेनों में सफर कर रहे लोगों का बैग पार कर रहा है। पंजाब मेल में सफर कर रही एक युवती का अज्ञात बदमाश ने बैग चुरा लिया। बैग में 65 हजार रुपए का मोबाइल, दो लैपटॉप समेत 1 लाख 59 हजार रुपए का सामान था। जीआरपी भोपाल ने युवती की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। जीआरपी आरोपी की तलाश में जुटी है। जीआरपी के अनुसार स्वाति गुप्ता पंजाब मेल के कोच ए-1 पर झांसी से मुंबई की यात्रा कर रही थी। स्वाति ने बताया कि उनकी नींद लग गई। इस दौरान सीट पर उनका काले रंग का बैग रखा था। जब उनकी नींद खुली तो बैग चोरी हो चुका था। बैग में मोबाइल सैमसंग कंपनी का

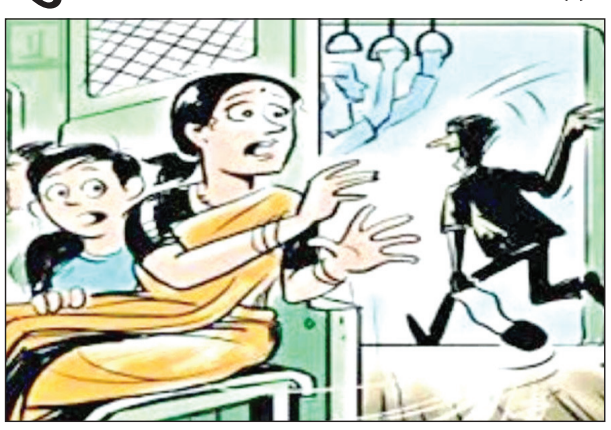

मोबाइल, जिसकी कीमत 65 हजार रुपए थी। इसके अलावा दो लैपटॉप एक डेल कंपनी का जिसकी कीमत 50 हजार रुपए और एचपी कंपनी का लैपटाप जिसकी कीमत 40 हजार रुपए थी। इसके अलावा महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। बदमाश उनके बैग समेत 1 लाख 59 हजार रुप का सामान चुराकर ले गया है। ट्रेन में सचिवालय के कर्मचारी का बैग चोरी भोपाल-रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल कोच में सफर कर रहे पुष्पेद्र कुमार मिश्रा (32) का अज्ञात बदमाश ने बैग चुरा लिया। उन्होंने जीआरपी भोपाल में शिकायत करते हुए बताया कि वह मध्य प्रदेश विधान सभा सचिवालय भोपाल में कर्मचारी है। वे भोपाल से रीवा के जनरल कोच में भोपाल से बैठे थे। उन्होंने अपना बैग रैक पर रख दिया और नीचे सीट पर बैठकर मोबाइल पर बातचीत करने लगे। इस दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका बैग चुरा लिया। बैग में 4 जोडी नई शर्ट एवं पैंट था। इसके अलावा उनका पर्स था, जिसमें 3 हजार रुपए की नगदी, लायसेंस, पेन कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित बीस हजार रुपए का सामान था। नर्मदा एक्सप्रेस में यात्री का पर्स चोरी ओमेश गुप्ता ने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि वह नर्मदा एक्स के एस-10 कोच में अपने साथी के साथ इंदौर से पेंड्रा रोड की यात्रा कर रहे थे। रेलवे स्टेशन भोपाल पर वे ट्रेन से नीचे उतरकर प्लेटफॉर्म पर पानी लेने पहुंचे। वहां से वापस कोच में चढ़े तो उनकी पेंट की जेब मे रखा पर्स चोरी हो चुका था। पर्स में पांच सौ रुपए की नगदी। बच्चे के गले में पहनने का सोने की हाय (पेंडल) समेत साढ़े 5 हजार रुपए का सामान था, जो कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया।

समझौताा करने पहुंचे पति के पेट में पत्नी ने मारी छुरी, हालत गंभीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित नवबहार कॉलोनी में मंगलवार रात पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी ने अपने पति के पेट में सब्जी काटने की छुरी से प्राणघातक हमला कर दिया। विवाद के चलते समझाइश देने पति पत्नी के मायके पहुंचा था। गंभीर हालत में पति को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी पत्नी फरार है। प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। 15 दिन से मायके में रह रही थी पत्नी, महिला थाने में दर्ज कराया था प्रकरण पुलिस के मुताबिक नरोना सांकल अजनाल डेम थाना बिलखिरिया निवासी शाहिद अंसारी (43) ट्रक चलाते हैं। उनका पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। उन्होंने दूसरी शादी मुमताज खान के साथ की थी।

दूसरी शादी के बाद वह कम्मू का बाग में रहने लगे थे। फरियादी ने बताया कि करीब 15 दिन पहले उनका पत्नी मुमताज से विवाद हुआ और विवाद के बाद दूसरी पत्नी नवबहार कॉलोनी स्थित अपने मायके जाकर रहने लगी। इस दौरान मुमताज ने पति के खिलाफ महिला थाने में प्रकरण भी दर्ज करा दिया। विगत 22 अप्रैल की रात करीब पौने नौ बजे पति समझाइश देने मुमताज के घर उसके मायके पहुंचे। वह सोफे पर बैठकर सास, साला सलीम व साले की पत्नी सईदा से बात कर रहे थे। तभी अचानक मुमताज किचिन में से सब्जी काटने की छुरी लेकर आई और पति के पेट में घातक वार कर दिया। घटना के बाद मुमताज अपने भाई सलीम के साथ वहां से चली गई। घर में सास और साले की पत्नी मौजूद थीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022